सुविचार

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से अच्छा है कि तुम स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो। फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, इसे तुमसे कोई नहीं छीन सकता।

-गौतम बुद्ध

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक:- नागेश नरवरिया

पेज -7

वर्ष 6, अंक 53 | भोपाल, शुक्रवार 11 जून 2021 | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

समर्पण

समर्पण के बिना आधार कहा बनते है।
हमने अपनो को दर्द से कराते देखा है ।।

पैरा मेडिकल डॉ पुलिस फ्रंटलाइन।
सब को दिन रात मेहनत करते देखा है ।।

असहायों की सेवा भारतीय युवाओं में।
अपनो को खोते नजदीक से देखा है।।

समशान ओर हास्पिटल के मंजर में ।
सरकार नेताओ को लड़ते देखा है ।।

-कवि
मोहन मांढरे

क्या पाया?

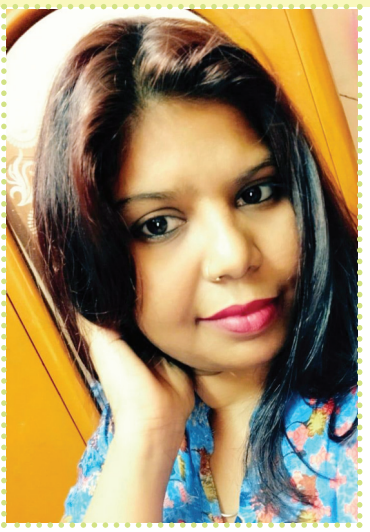

कवियित्री
अन्नपूर्णा भारती

कैसा क्यो ये वक्त है आया ,
क्या है जो हम सबने पाया
दो गज की दूरी और
मास्क है अपनाया।

कहीं बिलखती संताने थी,तो कहि उदास निगाहें।
कहीं बूढे कांधो पे शव थे,तो कहीं चीखते स्वर थे।
कैसा क्यों ये वक्त है आया,
क्या है जो हम सबने पाया।

कुछ घरो में बैर हुआ तो,कुछ देशो में द्वंद।
कौन जाने ये कोरोना लाया, कैसी नई जंग।
कही टूट रहे थे रिश्ते,बढ़ती दूर के संग।
तो कहीं सिमट रहा था जीवन,
सिमित रोटी के संग।

कहीं सियासत अब भी गरमाई सी, रच रही थी ढोंग।
कहीं मनावता नग्न तो,कहीं हो रही थी मौन।
सांसो को पाने को लेकर,लगी थी ऐसी होड़।
रक्षक ही बन बैठे भक्षक,ये आया कैसा मोड़।
ना जाने कैसा ये वक्त है आया,
क्या है जो हम सबने पाया।

कही सुहाग खोया,
तो कहीं खो गया प्यार ,
किसी से आंचल छुटा,
तो लुट गया संसार,
कैसा क्यों ये वक्त है आया,
क्या है जो हम सबने पाया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कृषि उपज मण्डी पहुंचकर किसानों तथा हम्मालों को वैक्सीनेशन के लिए किया प्रेरित

स्वास्थ्य मंत्री ने 142 किसानों के खातें में अंतरित किए एक करोड़ तीन लाख रू.

धन सिंह अहिरवार

स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी ने कृषि उपज मण्डी रायसेन पहुंचकर किसानों और हम्मालों को कोविड वैक्सीनेशन हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए कोविड वैक्सीनेशन बेहद जरूरी है, इसलिए सभी किसान और हम्माल कोविड वैक्सीन जरूर लगवाएं।

कोविड वैक्सीन लगवाने से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है जिससे कोरोना संक्रमण से बचाव होता है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा

कि कोरोना संक्रमण को समाप्त करने के लिए शासन-प्रशासन द्वारा हर संभव कदम उठाए जा रहे है, इसमें लोगों को सहयोग भी जरूरी है। सभी वयस्क लोग वैक्सीन जरूर लगवाएं और वैक्सीनेशन के बाद भी सावधानी बरतें। हम सुरक्षित रहेंगे तो हमारे परिवार के सदस्य भी सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने किसानों तथा हम्मालों को कोविड वैक्सीनेशन हेतु जागरूक करने के लिए कहा। स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से स्वदेशी वैक्सीन बनकर तैयार हुई है जो कि पूरी तरह सुरक्षित है।

लाखों, करोड़ो लोगों ने वैक्सीन लगवाई है, जब तक प्रत्येक व्यक्ति को कोविड वैक्सीन न लग जाए, तब तक हमें रूकना नहीं है। उन्होंने कहा कि जिले में और प्रदेश में कोरोना संक्रमण की दर कम हुई है लेकिन अभी भी सावधनी बरतना जरूरी है।

डॉ. बक्शी ने किया खाना बनाने वाली महिला से कुकर्म, मानवता शर्मासार

धन सिंह अहिरवार

रायसेन। जिला के बाड़ी तहसील के अंतर्गत,दिल, दहलाने बाली घटना उमर कार सामने आई है जहां एक और डॉक्टर को भगवान इंसान बनाता है, लेकिन है तो रक्षक ही,भक्षक के रूप मैं डॉक्टर राजा वसीम बक्शी देख गया एक अभी विवाहित लड़की का गर्भवती होना और परिजनों का डॉ बक्शी के ऊपर आरोप लगाना क्षेत्र में सनसनी बाली घटना डॉ बक्शी पर पीड़ित परिवार ने गंभीर आरोप लगाया की हमारी अविवाहित लड़की जोकि डॉ बक्शी ने कुकर्म किए है पीड़ित परिवार ने संबोधित गाड़ी थाने में अपनेकथन दर्ज कराए और शासन प्रशासन से अपील की है कि उन्हें जल्दी से जल्दी न्यायालय मिले और दोषी डॉक्टर हर कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो।

किसानो ने शुरू की धान रोपने की तैयारी

रामेश्वर नरवरिया

बरेली/रायसेन। जिले में मूँग की कटाई के साथ ही क्षेत्र में किसानो ने धान की फसल के लिए बड़ी मात्रा में क्यारियाँ बनाना ओर धान के लिए रोपा तैयार करना प्रारंभ कर दिया है। मूँग की कटाई चालु हो गई हे क्षेत्र में उन्नत तकनीकी से खेती करने वाले किसानो के दुआरा हाइब्रिड बीज को गोबर की खाद व रासायनिक मिला कर अंकुरित होने पर रोपा तैयार किया जा रहा है किसानो का कहना है कि 20 से 25 दिन में धान का रोपा तैयार हो जाएगा रोपाई करने में कम समय में फसल तैयार हो जाएगी।

रायसेन में प्री-मानसून का आगमन हुआ

रामेश्वर नरवरिया

रायसेन। मौसम ने बदले अपने तेवर गुरुवार को जिले में तेज हबाए के साथ झमाझम बारिश से ज़िला तरवतर हो गया। सुबह से रात तक जिले के अलग - अलग हिस्सों में झमाझम बारिश हुई। उदयपुरा बरेली बाड़ी देवरी क्षेत्र में शाम चार बजे से बारिश का दौर शुरू हुआ, साथ ही आंधी भी चली इससे रायसेन, साँची ,सुल्तानपुर, ओबेदुल्लागंज, दीवानगंज ज़ोरदार बारिश हुई।

भारत में कौन सा दण्ड सिद्धांत होता है,न्यायालय अपराधियों कितने प्रकार के दण्ड दे सकता है जानिए IPC...

कोई व्यक्ति अगर किसी राज्य की विधि (कानून) का उल्लंघन करता है तो वह एक अपराध होता है,जिसके लिए राज्य उसे दाण्डित करता है। अगर हम बात करे दण्ड की तो सम्पूर्ण विश्व में प्राचीन काल से वर्तमान काल तक दण्ड के पांच सिद्धांत होते हैं वो निम्न है (जिनको हम संक्षिप्त में बताते हैं।) -

1. **निवारणार्थ सिद्धांत**- अगर कोई व्यक्ति किसी भी प्रकार का अपराध करता है, तो ऐसे व्यक्ति के अपराध का दण्ड निवारण करके दिया जाता है।
2. **प्रतिकार का सिद्धांत**- बदला लेने का दण्ड प्रतिकार होता है, जैसे- हत्या के बदले हत्या, चोट के बदले चोट आदि।
3. **प्रतिरोध का सिद्धांत**- किसी व्यक्ति को रोककर रखकर अपराध के दण्ड की सजा देना अर्थात किसी कोठरी में कैद करके रखना आदि।
4. **सुधारात्मक सिद्धांत**- भारतीय दंड संहिता में अपराध के दण्ड लिए सुधारात्मक सिद्धांत लागू है,इसमे अपराधियों में सुधार लाने के लिए उन्हें कारावास में रखा जाता है वहाँ उन्हें काम सिखाया जाता है, शिक्षा भी दी जाती है ताकि सजा खत्म होने के बाद वो दुवारा से कोई अपराध को अंजाम न दे।
5. **प्राश्चित(स्वयं पछतावा करना)**- किसी भी अपराध को करके व्यक्ति स्वयं को उस अपराध का दोषी मानकर प्राश्चित करे।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 53 की परिभाषा(सरल एवं संक्षिप्त शब्दों में)-

भारत में न्यायालय किसी भी अपराध के लिए सुधारात्मक दण्ड प्रक्रिया अपनाई जाती है, इसका मुख्य उद्देश्य अपराधों को रोकना एवं कारावास के में भेज कर अपराधियों को सुधारना होता है। इस प्रकार दण्ड निर्धारण का सम्पूर्ण कार्य भारतीय न्यायालय को सौपा गया है न्यायालय अपराधी को निम्न प्रकार के दण्ड दे है।

1. **मृत्यु दण्ड**- न्यायालय कुछ कतिपय या जघन्य अपराधों में अपराधियों को मृत्यु दण्ड दे सकता है।
2. **आजीवन कारावास**- न्यायालय अपराधी को आजीवन कारावास की सजा दे सकता है। लेकिन न्यायालय अपने विवेक पर आरोपी की आजीवन कारावास जी सजा को कम भी कर सकता है।
3. **निर्वासन**- अर्थात देश निकाला करना या काला पानी(भारतीय दण्ड संहिता से यह दण्ड सन 1949 में हटा दिया गया है अब)।
4. **कारावास**- कठोर कारावास श्रम के साथ या सदा कारावास।
5. संपत्ति का समपहरण- संपत्ति को वसूल करना जो अवैध कार्य से बनाई गई हो।
6. **जुर्माना**- किसी व्यक्ति पर किसी कम गंभीर अपराध या कोई सिविल विवाद में हर्जाना के लिए अपरोपित व्यक्ति पर जुर्माना लगा देना।

उपर्युक्त दण्ड भारतीय न्यायालय द्वारा किसी अपराधी को उसके अपराध के अनुसार दिए जाते है।

- लेखक बी. आर. अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 9827737665

दर्द कोरोना पर मेरे बिकते रहे...

दर्द कोरोना पर मेरे बिकते रहे...
हम बेचैन थे रात भर लिखते रहे...

छू नही सकते थे हम इंसानियत को...
हम अपनो से ही परायों की तरह छुपते रहे...

दरख्त होते तो कब के टूट गए होते...
ऑक्सीजन के लिए हम लड़े कब थे...

ड्यूटी बदलते रहे लोग कोरोना को देख कर...
डर तो हमें भी लगा मौत के मंजर को देख कर...

जिनको डर था वो घर, गाड़ी बदलते रहे...
हम उनसे ही कोरोना के राज सीखते रहे...

दर्द जिंदगी के मेरे बिकते रहे...
हम समुंदर से गहराई के गुण सीखते रहे...

मोहन मांढरे
मेडिकल लैब टेक्नीशियन
समुदायक स्वास्थ केन्द्र लटेरी
जिला विदिशा
वर्तमान में
मेडिकल कालेज विदिशा 1 वर्ष से पदस्थ
(मीडिया गैलरी)

ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण के लिए प्रशासन आगे आया

पुरातात्विक शिव मंदिर के संरक्षण के लिए एएसआई को लिखेंगे: एसडीएम

रिपोर्टर...धन सिंह अहिरवार.....

बरेली। मंगलवार दोपहर को रायसेन जिले के बरेली अनुविभाग मुख्यालय के बरिष्ठ अधिकारियों ने नवतपा की भीषण गर्मी भरी दोपहरी भगदेई गांव और जंगल में ऐतिहासिक विरासतों के संरक्षण की कवायद के बीच बिताई. एसडीएम प्रमोद गुर्जर, तहसीलदार संतोष बिटोलिया, और नायब तहसीलदार नीरू जैन एवं भारतीय इतिहास संकलन समिति रायसेन के सदस्य कमल याज्ञवल्क्य ने विंध्याचल पर्वत की श्रेणी में स्थित पौराणिक कथाओं और प्रथाओं को

संजोए अति प्राचीन पुरातात्विक ऐतिहासिक विरासत के रूप में विख्यात अति प्राचीन शिव मंदिर को देखा और साक्ष्य संग्रह किए अद्भुत स्थापत्य कला का अद्वितीय उदाहरण है यह शिव मंदिर. विशेषता यह भी है कि यहां सूर्य की पहली किरण शिव जी का श्रृंगार करती है।

यहां के पत्थर खींचते है एसडीएम

यहां का मंदिर तो अद्भुत है ही, कई पत्थरों की भी अपनी विशेषता है शिव मंदिर देखने के बाद पास के पहाड़ पर उत्कीर्ण मानवाकृति के पद् चिन्हों को देखने जाते समय एसडीएम प्रमोद गुर्जर अचानक प्राचीन देवीमठ के पास बने सूखे तालाबों स्थापित करीब पच्चीस फीट ऊंचा एक ही पत्थर के चीरा की तरफ उसे देखने चले गए। यहां चर्चा में बरेली एसडीएम प्रमोद गुर्जर ने कहा कि वास्तव में यह पुरातात्विक स्थल अद्भुत हैं, यहां के पत्थर आकर्षित करते हैं और अपनी तरफ खींचते से हैं।

श्री संतोष परिहार ग्राम - भगदेई, पंचायत- जामगढ निवासी ने बताया कि हम बचपन से ही इन मंदिरो को देख रहे है इन्ही के आसपास खेल कर हम बडे हुए है आसपास ऐसे बहुत सारे दार्शनिक स्थान है जिनमें - जामवंद गुफा, तालाब, गिल्ली डंडा स्तंभ, पुराना मंदिर, बापोली मंदिर, श्री गणेश मेला इत्यादि का पुरातात्विक महत्व है।

पेट तक पहुंची फफूंद: अब मरीजों की छोटी व बड़ी आंत में मिला ब्लैक फंगस

संक्रमण के बाद पेटदर्द, आंतों में सूजन, सड़न, दस्त में खून की होती है शिकायत

इंदौर। पोस्ट कोविड कॉम्प्लीकेशन ब्लैक फंगस अब पेट तक जा पहुंचा है। शहर में कुछ मरीज ऐसे मिले हैं, जिनमें छोटी व बड़ी आंत में फंगस मिली है। पहले नाक, चेहरे, दांत, आंख, त्वचा व दिमाग पर ही ब्लैक फंगस का असर दिखाई दिया था। चोइथराम के डॉ. अजय जैन के अनुसार, कोरोना संक्रमण के 10 से 15 दिन बाद मरीज पेटदर्द व दस्त के साथ खून की शिकायत लेकर आए। सीटी स्कैन में पता चला आंतों में छेद हो गया है। अस्पताल में ऐसे तीन-चार मामले आ चुके हैं। उधर, इंदौर में अभी ब्लैक फंगस के 500 से ज्यादा मरीज भर्ती हैं। इनमें इंदौर के अलावा अन्य जिलों के मरीज भी शामिल हैं।

केस 1 - बुजुर्ग की छोटी आंत ही सड़ गई

67 साल के बुजुर्ग को एक महीना पहले कोरोना संक्रमण हुआ था। ठीक होने के 15 दिन बाद पेटदर्द, पेट फुलने और दस्त के साथ खून जाने की शिकायत हुई। छोटी आंत में सूजन थी। ऑपरेशन किया तो पता लगा, छोटी आंत सड़ गई। जांच करवाई तो ब्लैक फंगस पॉजिटिव मिला। हालांकि इस मरीज को बचाया नहीं जा सका।

केस 2 - आंत के बाहर की मेमरिन गल गई

41 साल के मरीज को कोरोना संक्रमण के बाद खून के दस्त की शिकायत हुई। हिमोग्लोबिन 12 से घटकर 9 ग्राम पर आ गया। एंडोस्कोपी में छोटी आंत में बड़ा सा छाला दिखा। यह आर-पार हो गया था। सीटी स्कैन में पता लगा कि छोटी आंत के बाहर की मेमरिन गल गई है। छाला पेनक्रियाज तक पहुंच गया था। मरीज का उपचार जारी है।

हमारे यहां दो मरीजों के पेट में ब्लैक फंगस संक्रमण मिला है, जबकि आठ अन्य रोगियों के फेफड़ों में यह संक्रमण पाया गया। कोरोना से उबरे मरीजों में यह नई समस्या सामने आ रही है।

- डॉ. रवि डोसी, अरबिंदो हॉस्पिटल

भोपाल आज से फिर पहले की तरह दौड़ेगा

शहर में जिम, स्वीमिंग पूल, टॉकीज-थिएटर, स्पा, कोचिंग को छोड़कर सबकुछ खुला

भोपाल। राजधानी में गुरुवार से सभी बाजार खुल गए हैं। सिर्फ जिम, स्वीमिंग पूल, टॉकीज-थिएटर, स्पा, कोचिंग, साप्ताहिक बाजार पर प्रतिबंध रहेगा। रोजाना रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक नाइट कर्फ्यू रहेगा। रविवार को कोरोना कर्फ्यू रहेगा। यानी दुकानों को रविवार को छोड़कर सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक खोलने की अनुमति रहेगी। बाजार खोलने के साथ ही व्यापारियों को दुकानों के बाहर गोले बनाने होंगे। व्यापारियों को अपने साथ ही ग्राहकों से भी सोशल डिस्टेसिंग का पालन कराना सुनिश्चित करना होगा।

सीएसटी करेंगी मॉनिटरिंग

प्रशासन ने कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कराने के लिए कोरोना सुरक्षा दल बनाए हैं। गुरुवार को बाजार खुलने पर 118 कोरोना दल ही दुकानों में सोशल डिस्टेसिंग समेत कोविड प्रोटोकॉल की निगरानी करेंगे। यदि लोग बिना मास्क के घूमते मिले, तो टीमें 100 रुपए से 500 रुपए तक जुर्माने की कार्रवाई कर सकती हैं।। वहीं, दुकान में प्रोटोकॉल का उल्लंघन मिला, तो जुर्माने के अलावा सील करने

की भी कार्रवाई की जा सकती है।

एनजीओ भी करेंगे जागरूक

शहर में मार्केट खुलने के साथ स्वयंसेवी संगठन (एनजीओ) कोरोना जागरूकता के लिए जागरूकता अभियान चलाएंगे। एनजीओ बाजार में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करावाएंगे।

लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट: मार्केट में कोविड प्रोटोकॉल का पालन कराने और जागरूकता के लिए अनाउंसमेंट होगा। इससे सोशल डिस्टेसिंग, मास्क लगाने, वैक्सीनेशन कराने की सूचना दी जाएगी।

पूर्व CM कमलनाथ हैं स्वस्थ्य : महाराष्ट्र के मंत्री सुनील केदार ने मेदांता में की मुलाकात

लगभग 1 घंटे तक हुई बातचीत, जल्द हो सकती है छुट्टी

छिंदवाड़ा। गुड़गांव के मेदांता अस्पताल में भर्ती पूर्व सीएम कमलनाथ से मिलने के लिए आज उनके करीबी और महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री सुनील केदार अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने पूर्व सीएम से लगभग 1 घंटे तक बातचीत की और उनका हालचाल जाना। इसके बाद केदार ने अपनी फोटो सोशल मीडिया में जारी की और बताया कि पूर्व सीएम कमलनाथ स्वस्थ हैं। जल्द ही अस्पताल से उनकी छुट्टी हो सकती है। वहीं बुधवार देर शाम को सांसद नकुल नाथ ने भी मेदांता पहुंचकर अपने पिता कमलनाथ से मुलाकात की थी। उन्होंने भी पत्रकारों को बताया था कि उनके पिता रुटीन चेकअप के लिए मेदांता में एडमिट हैं और जल्द ही उनकी छुट्टी हो जाएगी।

शादी के बाद रुपए और गहने लेकर भागने वाली 4 युवतियों सहित 6 गिरफ्तार; पकड़ने के लिए कांस्टेबल दूल्हा, मुखबिर ससुर बनकर पहुंचा

गुना। शादी के नाम पर लोगों को लूटने वाली गैंग को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने छह लोगों को पकड़ा है। इनमें चार महिलाएं और दो पुरुष हैं। आरोपी कुआरे युवकों को फंसाकर उनसे शादी के नाम पर रुपए ऐंठते थे। इसके बाद लड़की कुछ दिन घर में रुक कर पैसे लेकर फरार हो जाती थी। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने उन्हीं का तरीका अपनाया। इसके लिए एक कॉन्स्टेबल को दूल्हा बनाकर भेजा। सवा लाख रुपए में सौदा तय हुआ। जब आरोपी लड़की दिखाने के लिए आए, तब पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। एसपी राजीव कुमार

मिश्रा ने बताया कि मधुसूदनगढ़ निवासी लाखन लोधी पिता नवल लोधी (22) की शादी नहीं हो रही थी। इसके लिए उसके पिता कैलाबई मीणा नाम की महिला से मिले। 8 मई को कैलाबाई अपने साथी वीरपुरा निवासी गोविंद मीणा दोनों को साथ लेकर विदिशा जिले की लटेरी तहसील लेकर गए। यहां उन्हें रहीश निवासी भोपाल, ममता अहिरवार और नीलम रेकवार दोनों निवासी सागर से मिलवाया। यहां लाखन ने ममता से को शादी के लिए पसंद कर लिया। इसके बाद 70 हजार रुपए देकर ममता को साथ ले आए। यहां रूपाहेड़ी गांव आकर मंदिर में शादी कर ली।

फसल खरीद केंद्रों पर किसानों से धोखा!

फसल की तुलाई के 30 दिन बाद किसानों को नहीं मिल रहे दाम

भिंड। जिले के लहार अनुविभाग में असवार के कृषि उपज खरीदी केंद्र पर फसल को खरीदने के बाद किसानों के दाम एक महीने के बाद भी खाते में नहीं आ रहे हैं। कारण यह है कि यहां किसानों ने भले ही फसल को पहले नंबर पर लगाकर बेच दिया है। परंतु केंद्र प्रभारी से लेकर ऑपरेटर व मॉनीटरिंग कर्मचारी व अधिकारी की सांठगाठ चली। किसानों से खरीदी गई फसल को रोका गया। अपने चहेते चेहरों की फसलों को पहले गोदाम में पहुंचवाकर मूल्यों का भुगतान कराया। यह धोखाधड़ी क्षेत्र के कई किसान के साथ हुई। मई महीने में असवार खरीदी केंद्र पर फसलों की खरीदी की गई। 10 मई से लेकर 15 मई तक जिन किसानों ने फसलों की तुलाई कराई है। ऐसे किसानों के फसल का भुगतान 9 जून तक नहीं हो सका। अब क्षेत्र के किसान फसल के भुगतान को लेकर केंद्र के कर्मचारियों को फोन पर संपर्क करते हैं उन्हें संतोष जनक जवाब नहीं मिल रहा है। यहां तैनात कर्मचारी सीधे तौर पर यह कह देते है कि फसल हम ने तुलवाई है। फसल का मूल्य कब आएगा?

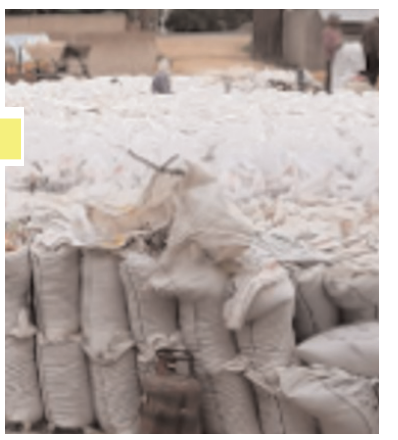

पेड़ों की पूजा, रक्षा करना समृद्ध परंपरा व जीवनशैली का अंग

उज्जैन। शहर में गुरुवार को विवाहित महिलाएं वट सावित्री का पूजन कर बरगद का पौध रोपेंगी। इसका संकल्प उन्होंने नईदुनिया के अभियान- वटवृक्ष दे वरदान, से जुड़कर लिया है। कहा है कि बरगद का पेड़ जीवन चक्र की निरंतरता का प्रतीक है। बरगद काफी अधिक आक्सीजन देता है। इसका धार्मिक महत्व भी है। अगर समाज ज्यादा से ज्यादा बरगद का पौधा रोपता है तो वातावरण में आक्सीजन की मात्रा बढ़ेगी और आबो-हवा भी शुद्ध होगी। विक्रम विश्वविद्यालय की पर्यावरण प्रबंधन अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डा. डीएम कुमावत, पर्यावरण के लिए काम करने वाली संस्था रूपांतरण के संस्थापक अध्यक्ष राजीव पाहवा ने बताया कि पेड़ों की पूजा, रक्षा करना हम भारतीयों की समृद्ध परंपरा और जीवनशैली का अंग है।

कलेक्टर द्वारा विकास कार्यों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लिया गया

विदिशा। कलेक्टर डॉ पंकज जैन ने मंगलवार को शमशाबाद तहसील के ग्राम सतपाडा हाट में संचालित विकास कार्यो के साथ-साथ क्रियान्वित योजनाओं से लाभांवित होने वालो से संवाद कर धरातलीय जानकारियां प्राप्त की है। कलेक्टर डॉ जैन ने ग्राम पंचायत सतपाडा हाट के निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया जिसमें स्वच्छता परिसर में रेम्प तथा ड्रेनेज व्यवस्था सुचारू रूप से नही पाई जाने पर अप्रसन्नता जाहिर की है। उन्होंने ग्राम के ग्रेवल रोड की चौडाई एमबी अनुसार नही पाए जाने पर जनपद सीईओ, सहायक इंजीनियर तथा ग्राम सचिव को फटकार लगाई है। कलेक्टर डॉ जैन ने संबंधितों को निर्देशित किया है कि ग्रेबल सडक का निर्माण कार्य एमबी अनुसार ही हो ततसंबंध में एसडीएम श्री प्रवीण प्रजापति को जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर डॉ जैन ने ग्राम सतपाडा में संचालित नलजल योजना के कनेक्शनों की वस्तुस्थिति की भी जांच की है। उन्होंने जिन घरो में नल कनेक्शन नही थे उन घरो में स्वच्छ पेयजल के लिए नल कनेक्शन लिए जाने की समझाईश दी है। ग्राम में स्वच्छताकर्मी बढाए जाने के भी निर्देश उन्होंने दिए है। ज्ञातव्य हो कि ग्राम के भ्रमण दौरान साफ सफाई पर उनके द्वारा अप्रसन्नता जाहिर करते हुए संबंधितों पर कार्यवाही करने के निर्देश ग्राम सचिव को दिए है। कलेक्टर डॉ पंकज जैन ने ग्राम ऐंचदा के आरोग्यम स्वास्थ्य केन्द्र का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की है।

सौर ऊर्जा से बिजली समस्या का निदान

विदिशा। बिजली कब आएगी, बिजली का बिल कर भरना है इत्यादि की चिन्ता से मुख्यमंत्री सोलर पम्प योजना से मुक्ति से मुक्ति मिली है।

यह कहना है गंजबासौदा में ग्राम सेमरी के कृषक परेश शाह का। उन्होंने शासन योजना के तहत अपने खेत पर सौर ऊर्जा से संचालित सिंचाई व्यवस्था के प्रबंध सुनिश्चित किए है। अक्षय ऊर्जा से लाभांवित होने के फायदो को गिनाते हुए उन्होंने कहा कि कभी भी बटन दबाओ और कभी भी सिंचाई के लिए पानी पाओ। लगभग ढाई बीघा के कृषक शाह ने बताया कि मुख्य सड़क मार्ग पर होने के कारण खेत की सदैव देखभाल करता रहा हूं। रबी फसल के अलावा उद्यानिकी फसलों का उत्पादन मेरे द्वारा लिया जा रहा है। सौर ऊर्जा से सिंचाई के प्रबंध सुनिश्चित हो जाने से जहां पैदावार में बढोतरी हुई और आर्थिक समृद्धि में वृद्धि हुई है।

बुधवार को 1584 लोगो ने लगवाया कोरोना का टीका

जिले में बुधवार तक कुल 86969 लोगो को लग चुका है कोरोना का टीका

हरदा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर जैसानी ने बताया कि हरदा जिले में कलेक्टर श्री संजय गुप्ता के विशेष प्रयास सें 09 जून 2021 को जिले के शहरी क्षेत्र हरदा में 10 स्थानो पर विशेष कारोना टीकाकरण सत्र आयोजित कर 1584 व्यक्तियो का टीकाकरण किया गया। जिले में अब तक कुल 86969 लोगो को कोरोना का टीका लगाया जा चुका है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ जे.एस.कुशवाह ने बताया कि 10 जून 2021 गुरूवार को कोविड टीकाकरण आयोजित नहीं किया जावेगा। कोविड -19 के टीकाकरण की सूचना पृथक से दी जावेगी। जिले के सभी 18 से अधिक उम्र के आमजन से अपील है कि वे सबंधित टीकाकरण केंद्र पर जाकर अपना ऑफ लाइन रजिस्ट्रेशन कराये एवं कोरोना का टीका लगवायें। अपना रजिस्ट्रेशन कराकर नियत समय पर ही टीका लगवाये और सोशल डिस्टेंस का पालन अवश्य करे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी हरदा ने कोविड-19 अनुकूल व्यवहार परिर्वतन सघन अभियान के अन्तर्गत आम नागरिको से अपील की है कि वे घर से बाहर जब भी जायें, मास्क पहन कर जायें।

पुलिस लाइन एवं जेल में वैक्सीनेशन हुआ

विदिशा। कोविड 19 टीकाकरण वैक्सीनेशन कार्य आज पुलिस लाइन एवं जिला जेल में विशेष आयोहित किया गया था उक्त दोनो केन्द्रो पर हुए टीकाकरण की जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ केएस अहिरवार ने बताया कि पुलिस लाइन में पुलिस कर्मियों एवं उनके परिजनो सहित कुल 470 का जबकि जिला जेल में 237 कैदियों का टीकाकरण कार्य किया गया है।

हितग्राहियों के आवासीय परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा

विदिशा। कलेक्टर डॉ पंकज जैन ने बुधवार को ग्राम सौराई तथा जतरापुरा में हितग्राहियों के लिए तैयार किए गए आवासीय भवनो में बुनियादी सुविधाओं की आपूर्ति के लिए किए गए प्रबंधो का जायजा लिया। इस अवसर पर एसडीएम श्री गोपाल सिंह वर्मा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री सुधीर सिंह के अलावा अन्य अधिकारी साथ मौजूद रहें। कलेक्टर डॉ पंकज जैन ने ग्राम सौराई में राजीव गांधी आवासीय योजना के तहत निर्मित कराए गए भवनो में रह रहे हितग्राहियों से संवाद कर उनकी मूलभूत समस्याओं का जाना। यहां मुख्यत: हितग्राहियों के द्वारा पेयजल आपूर्ति और बिजली की समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया है। कलेक्टर डॉ जैन ने मौके पर सीएमओ को नवीन बोर कराने के निर्देश दिए है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने समर्थन मूल्य पर मूंग एवं उड़द की खरीदी के पंजीयन का किया शुभारंभ

होशंगाबाद। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों के हित में समर्थन मूल्य पर मूंग एवं उड़द की खरीदी का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। किसान हितैषी से इस निर्णय से होशंगाबाद जिले के किसानों में खुशी की लहर हैं। समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी से जिले के कृषकों को 7196 रूपये प्रति क्विंटल एम0एस0पी0 से लगभग 2200 करोड़ की आमदनी होना संभावित है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज समर्थन मूल्य पर मूंग एवं उड़द की खरीदी के पंजीयन का वर्चुअली शुभारंभ किया और जिले के कृषक रामभरोस बासोतिया से चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कृषक रामभरोस जी से उनकी मूंग फसल के उत्पादन के बारे में जानकारी ली। रामभरोस जी ने बताया की कोरोना संक्रमण काल के कठिन दौर में भी मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में जिले के कृषकों को सिंचाई के लिए समय पर तवा डैम से पानी उपलब्ध कराया गया। साथ ही उन्नत खाद, बीज एवं कीटनाशक के पुख्ता प्रबंध किए गए। जिला प्रशासन के सहयोग और किसानों की कड़ी मेहनत से जिले में ग्रीष्मकालीन मूंग का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है।

मत्स्य कृषकों को समय पर मत्स्य बीज उपलब्ध कराएं- कलेक्टर श्री सिंह

साकल्दा के मत्स्य बीज प्रक्षेत्र और निर्माणाधीन उमरबन अस्पताल का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

धार। कलेक्टर आलोक कुमार सिंह तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशिष वशिष्ठ ने बुधवार को शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र साकल्दा का निरीक्षण किया। यहां उन्होने मत्स्य बीज उत्पादन के बारे में विस्तृत जानकारी ली तथा समय पर मत्स्य कृषकों को मत्स्य बीज उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। साथ ही मनरेगा योजना से निर्मित किए जा रहे चार मत्स्य संवर्धन पोण्ड का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने आरईएस विभाग को शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।इस दौरान सहायक संचालक मत्स्य टीएस चैहान ने बताया कि यहां कतला, रोहू, मिरगल एवं कामनकार का मत्स्य बीज उत्पादन किया जाता है। नवीन मत्स्य बीज प्रक्षेत्र के निर्माण के लिए सेमल्दा तालाब के डाउनस्ट्रीम पर शासन द्वारा चार हेक्टेयर जमीन उपलब्ध करवाई गई है। उसके निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने आरईएस के अभियंता को मनरेगा से इस्ट्रीमेट बनाकर शीघ्र कार्य प्रारम्भ करवाने के निर्देश दिए। नवीन प्रक्षेत्र बनने से करीब 3 से 6 करोड़ स्पान का उत्पादन होगा। उमरबन के निर्माणाधीन अस्पताल के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि कोविड का संक्रमण जिले में थोड़ा कम हुआ है। हमें विकास कार्यो को अब तेजी से गति भी देना है। इसी तारतम्य में बुधवार को कलेक्टर एवं सीईओ भ्रमण पर निकले थे। उन्होंने कहा कि उमरबन हॉस्पिटल के निर्माण कार्य को हमने पिछली बार भ्रमण के दौरान देखा था, तब ग्राउंड फ्लोर तक ही निर्माण हुआ था। वर्तमान में फर्स्ट फ्लोर की भी छत डल गई है। वहां पर पानी की समस्या थी, उसके लिए हमने पीएचई से चर्चा भी की। दो किलोमीटर दूर से वहां पर पाइप लाइन लाएंगे, वहां पर पानी की व्यवस्था होगी और वहां पर एक अलग से पोस्टमार्टम कक्ष भी बनना है । उसके लिए भी कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए हैं कि शीघ्र दे। स्वीकृती दी जाएगी। साथ ही ब्लड काउंट मशीन और एक्सरे मशीन की आवश्यकता बताई गई है क्योकि लोगो को काफी दूर बाकानेर आना पड़ता है। प्रारम्भिक तौर पर उसकी व्यवस्थाएं देखी है। उमरबन ब्लॉक पर स्वास्थ सबंधी सारी सुविधाएं उपलब्ध हो सके, जिससे लोगो को काफी दूर न जाना पढ़े, जब तक यह नया हॉस्पिटल बनेगा, तब तक हम कोशिश करेंगे कि वहां सभी व्यवस्था सुनिश्चित हो जाये। भ्रमण के दौरान एसडीएम राहुल चौहान तहसीलदार जीएस धारवे भी मौजूद थे।

कोविड वैक्सीनेशन अभियान तेजी से जारी

9 जून को 5530 नागरिकों ने लगवाया कोविड का टीका

होशंगाबाद। जिले में कोविड वैक्सीनेशन अभियान तेजी से जारी है। सोमवार 09 जून को 5530 नागरिकों का टीकाकरण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दिनेश कौशल ने बताया कि 09 जून को जिले की 30 संस्थाओं में कोविड टीकाकरण का कार्य सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक किया गया। कोविड 19

टीकाकरण का तीसरा चरण के तहत 18 वर्ष उम्र से अधिक 5530 नागरिकों का कोविड टीकाकरण किया गया। जिनमें होशंगाबाद में 1178, बाबई में 509, डोलरिया में 350 , इटारसी में 821, सिवनी मालवा में 693, पिपरिया में547 ,सोहागपुर में 496 , केसला में 542 एवं बनखेड़ी में 394 हितग्राहीयो को कोविड का टीका लगाया। 12 जून को आयोजित होगा अगला टीकाकरण सत्र जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ नलिनी गौड ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार कोविड 19 टीकाकरण का अगला सत्र शनिवार 12 जून 2021 को आयोजित किया जाएगा।

सेमरी परियोजना में बाधक बन रही बिजली, चार दिन से नहीं पहुंचा पानी

गैरतगंज। नगर में सेमरी जलाशय से की जाने वाली वाटर सप्लाई में बिजली बाधक बन रही है। इंटेकवेल पर पर्याप्त बिजली सप्लाई के अभाव में पानी की टंकियां नहीं भर पा रहीं हैं जिससे सप्लाई प्रभावित हो रही है। नगर में चार दिन से पानी की सप्लाई नहीं हो पाई है। जिसके कारण गर्मी में पानी के लिए लोग अत्यधिक परेशान हैं। पानी से परेशान नगरवासियों ने अपना विरोध जताया है। जानकारी के अनुसार नगर में वाटर सप्लाई के लिए बेगमगंज तहसील के महुआखेड़ा गांव में इंटेकवेल है। जहां से पानी गैरतगंज मुख्यालय तक लाया जाता है। मुख्यालय पर फिल्टर प्लांट से टंकियां भरकर वार्डों में लाइन से पानी सप्लाई होता है। इंटेकवेल पर बेगमगंज बिजली कंपनी कार्यालय से बिजली सप्लाई की जाती है। वर्तमान में वहां तीन दिन से बिजली सप्लाई ठप बताई जा रही है। इसके अलावा भी यहां 20 से 22 घंटे की मांग के विपरीत 2 से 4 घंटे ही बिजली सप्लाई की जा रही है जिसके चलते नगर में पानी की आपूर्ति बाधित हो रही है। यही नहीं हर 2 से 3 घंटे में 1 घंटे के लिए रोजाना बिजली कटना यहां आम बात है जिसके कारण अव्यवस्था फैल रही है। वर्तमान में नगर में 4 दिन से पानी की सप्लाई नहीं हो पाई है। नगर में गर्मी और संक्रमण के दौर में जलापूर्ति ठप होने से नगरवासी परेशान हो गए हैं। तथा उन्होंने गुरुवार को नगर परिषद कार्यालय जाकर अपना विरोध जताया। वार्ड 4ए 5 एवं 6 के नागरिकों ने पानी की आपूर्ति की व्यवस्था ठीक करने की मांग को लेकर

प्रदर्शन किया तथा क्षेत्रीय विधायक व प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री को भी वाट्सएप के माध्यम से व सीएमओ को प्रत्यक्ष रूप से समस्या से अवगत कराया। नगरवासियों का कहना है कि बिजली की इस अव्यवस्था के कारण उन्हें 2 से 3 दिन तक पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। मजे की बात यह है कि बेगमगंज बिजली कंपनी से कई बार नगर परिषद के अधिकारी और सेमरी वाटर सप्लाई के ठेकेदार बात कर चुके हैं परंतु व्यवस्था ठीक करने की तरफ उनका कोई ध्यान नहीं हैए जिसका खामियाजा नगर के रहवासी भुगत रहे हैं तथा उन्हें रोजाना पानी की आपूर्ति बाधित हो रही है। 4 दिन से भी इसी तरह का वाकया सामने आया तथा नगर के सभी वार्डों की पानी सप्लाई नहीं हो पाई है।

जिले के 142 किसानों के खातों में एक करोड़ तीन लाख रुपये डाले

रायसेन। कृषि उपज मंडी समिति रायसेन में वित्तीय वर्ष 2018-19 में एक फर्म द्वारा कई किसानों का धान क्रय के बाद राशि का भुगतान नहीं किया गया था। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने इनमें से 142 किसानों के बैंक खाते में उनकी लंबित राशि एक करोड़ तीन लाख रुपये का भुगतान सिंगल क्लिक के माध्यम से शुक्रवार को किया है। कृषि उपज मण्डी में आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री कमल पटेल ने ऑनलाईन किसानों को संबोधित भी किया। कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने बताया कि कृषि उपज मंडी समिति रायसेन द्वारा मूल अभिलेखों के परीक्षण उपरांत 169 किसान भुगतान हेतु पात्र गए थे। जिन्हें कुल एक करोड़ 24 लाख रुपये का भुगतान किया जाना था। इन 169 में से 27 किसानों को 3 जून को मंडी बोर्ड भोपाल में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी तथा कृषि मंत्री पटेल द्वारा 20 लाख 78 हजार रुपये का भुगतान उनके बैंक खाते में सिंगल क्लिक के माध्यम से किया जा चुका है। शेष 142 किसानों के बैंक खाते में एक करोड़ तीन लाख रुपये का भुगतान आज कर दिया गया है।

सभी किसान व हम्माल वैक्सीन जरूरी लगवाएं

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने कृषि उपज मंडी में किसानों और हम्मालों को कोविड वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए कोविड वैक्सीनेशन बेहद जरूरी है। इसलिए सभी किसान और हम्माल कोविड वैक्सीन जरूर लगवाएं। कोविड वैक्सीन लगवाने से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है जिससे कोरोना संक्रमण से बचाव होता है। उन्होंने कहा कि जिले में और प्रदेश में कोरोना संक्रमण की दर कम हुई है, लेकिन अब भी सावधानी बरतना जरूरी है। डॉ. चौधरी ने कहा कि ब्लैक फंगस मरीजों के उपचार के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। ब्लैक फंगस मरीजों के उपचार हेतु विदेश से भी दवाइयां मंगाई जा रही हैं।

प्राचीन नगरी कोकलपुर में बूंद-बूंद पानी को तरस रहे रहवासी

बेगमगंज। प्राचीन काल में कभी गोंड राजा चंद्रहास की ऐतिहासिक नगरी रही कुंतलपुर जिसको अब कोकलपुर के नाम से जाना जाता है। जहां एक बड़े प्राचीन तालाब और चारों ओर बिखरी पड़ी पुरा संपदा में विभिन्ना देवी-देवताओं की सैकड़ों वर्ष पुरानी खंडित प्रतिमाओं का वैभव आज भी उसके गौरवशाली इतिहास की दास्तान बयां करता है। अब यहां के रहवासी बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं। ग्राम पंचायत कोकलपुर की आबादी दो हजार से अधिक है।

गांव में 11 वार्ड हैं। जिनमें 3 वार्ड आदिवासी वर्ग एवं दो वार्ड अजा वर्ग के हैं। 65 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग की है। शेष आबादी अन्य पिछड़ा वर्ग की है। पिछले चार माह से अजा एवं जजा वर्ग के पांच वार्डों में पेयजल सप्लाई पूरी तरह से बंद है। गांव में आठ साल पहले नल जल योजना के तहत एक नलकूप खनन किया गया था। जिसके पास एक टंकी बनाई गई थी, जो अब जर्जर स्थिति में है। इसमें मोटर डालकर पाइप लाइन के माध्यम से पिछले आठ साल से जल सप्लाई अन्य सामान्य वार्डों में अनवरत जारी है। लेकिन अजा एवं जजा वर्ग के वार्डों में 8 साल में एक बार भी दो बूंद पानी नहीं पहुंचा है। अजा, जजा के पांच वार्डों में 14 सौ की जनसंख्या है। आदिवासी वर्ग के लोग पेयजल योजना अंतर्गत बनाए गए कुएं से बाल्टी एवं रस्सी के माध्यम

से पानी खींचते हैं और गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। जबकि जजा वर्ग के लिए एकमात्र सहारा उनके वार्ड में 5 गुणा 8 वर्ग फीट में निर्मित एक प्राचीन कुआं है। जो इन्हें आठ महीने पानी देता है। गर्मी का मौसम शुरू होते ही इसका जलस्तर तलहटी में चला जाता है। जिससे चार माह पानी मिलना बंद हो जाता है। यहां के बाशिंदों को दिन में मजदूरी पर जाने के कारण रात में पानी भरने गांव से दो किमी दूर ग्याप्रसाद कुशवाहा, नत्थू लाल अहिरवार एवं मुलायम सिंह लोधी के खेतों में बने कुओं पर पानी लेने के लिए जाना पड़ता है। यहां से पानी ढुलाई का सिलसिला देर रात तक जारी रहता है। आदिवासी वर्ग के गोरेलाल, भैयालाल, सिब्बा, हल्के, बटोला, पज्जन एवं अजा वर्ग के शंकरलाल, शिवदयाल, रघुवीर, चिरौंजीलाल, कन्हैया इत्यादि ने बताया कि आठ वर्ष पूर्व गांव में नल जल योजना के तहत जो लाइन डाली गई है। वह ठेकेदार द्वारा घटिया एवं अव्यवस्थित ढंग से डाली गई है। इसके कारण हम गरीब मजदूर लोगों के वार्डों में आज तक एक बूंद पानी नहीं आया। हम लोग आज भी पेयजल के लिए तरस रहे हैं। जबकि गांव के अन्य सामान्य वार्डों में पेयजल सप्लाई धड़ल्ले से जारी है। हम लोगों को पीने के पानी के लिए भी 2 किलोमीटर दूर तक जाने की मशक्कत करना पड़ रही है।

समस्या का निराकरण किया जाएगा

जनपद सीईओ बलवान सिंह मवासे का कहना है कि आपके माध्यम से कोकलपुर में पानी की समस्या हमारे संज्ञान में लाई गई है जल्द ही इसका निराकरण कराया जाएगा।

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि नए परिसर में स्थानांतरित

रायसेन। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय सांची स्थित नए परिसर में स्थानांतरित हो गया है। अभी तक बारला ग्राम से चल रहा अकादमिक परिसर अब सांची स्थित पर्यटन निगम की इमारत से संचालित होगा। नई इमारत में विश्वविद्यालय प्रस्तावित स्थल पर निर्माण पूर्ण होने तक रहेगा।

सांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता ने वैदिक एवं बौद्ध परंपरा के अनुसार पारंपरिक पूजा कर नए परिसर की शुरुआत की। इस अवसर पर सांची विश्वविद्यालय के कुलसचिव अदिति कुमार त्रिपाठी एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए सभी विधि संचालित की गई। सांची स्थित यह परिसर विश्वविद्यालय के प्रस्तावित परिसर के बिल्कुल समीप है। सांची में होने से यहां आने वाले पर्यटकों एवं अन्य लोगों को भी विश्वविद्यालय से संपर्क का मौका मिलेगा।

सौ एकड़ भूमि सुरक्षित, बोधिवृक्ष लगा

सांची विवि के लिए शासन ने 12 वर्ष पूर्व सौ एकड़ भूमि सुरक्षित कर दी है। इस भूमि पर अभी तक कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ है। विवि की स्थापना करते हुए भूमि पूजन के दौरान श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति महेंद्र राजपक्षे ने बोधि वृक्ष लगाया था। बोधि वृक्ष की सुरक्षा के लिए मप्र शासन की ओर से चार सुरक्षा कर्मी हमेशा तैनात रहते हैं। अब बोधि वृक्ष तो बड़ा हो गया है, लेकिन यहां विवि परिसर का निर्माण नहीं हुआ है। परिसर का निर्माण नहीं होने से यह विवि ग्राम बारला में किराए के भवन में संचालित हो रहा था। अब विवि का निजी भवन बनाने के लिए शासन ने दिलचस्पी दिखाई है। इसके लिए जल्द ही बजट की भी घोषणा होने की संभावना है। सांची में पर्यटन विकास निगम का भवन मप्र शासन की ओर से विवि प्रबंधन को उपलब्ध कराया गया है। मप्र शासन के संस्कृति मंत्रालय द्वारा सांची विवि का संचालन होता है। वर्तमान में संस्कृति और पर्यटन विभाग का दायित्व एक ही मंत्री को सौंपा गया है।

विवि की उपयोगिता पर भी हो रहा चिंतन

सांची विवि के संचालन पर शासन को प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये खर्च करना पड़ते हैं। इस विवि की स्थापना के बाद से इसकी उपयोगिता पर भी चिंतन किया जा रहा है। संस्कृति व धर्म, अध्यात्म विषय अन्य विवि में भी हैं तो फिर इसके लिए अलग से पूरा विवि शासन की ओर से संचालित करने की मंशा अभी तक पता नहीं चल सकी है। पहले माना जा रहा था कि श्रीलंका सरकार इस विवि को संचालित करने में आर्थिक मदद करेगी, लेकिन श्रीलंका सरकार ने अब तक कोई आर्थिक सहयोग नहीं दिया है।

ऑक्सीजन की कमी से हुई मौतों ने सिखाया पेड़ों का महत्व

रायसेन। कोरोना संकटकाल में ऑक्सीजन की कमी से हुई मौतों ने लोगों को पेड़ों का महत्व सिखा दिया है। यूं तो लोग कोरोना संकटकाल से ही अलग-अलग स्थानों पर पौधारोपण करने लगे थे, परंतु विश्व पर्यावरण दिवस को पौधा लगाने के लिए विशेष उत्साह देखा गया। जिला मुख्यालय सहित नगरीय क्षेत्रों व कस्बों में शनिवार को पौधारोपण करने की होड़ लगी रही। सैकड़ों लोगों ने हजारों पौधे लगाते हुए उनके संरक्षण के प्रति विश्वास भी जताया। पहले लोग विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पौधा के आसपास खड़े होकर फोटो खिंचवाने की औपचारिकता निभाते थे, परंतु अब बिना की प्रचार-प्रसार के लोग स्वतः ही अपनी सुविधा अनुसार पौधारोपण कर रहे हैं। प्रशासनिक जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए कलेक्टर उमाशंकर भार्गव, एसपी मोनिका शुक्ला व अन्य अधिकारियों ने वृद्धाश्रम और जिला शिक्षाधिकारी कार्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। उन्होंने वृद्धाश्रम में रह रहे लोगों से चर्चा कर व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी भी ली। कलेक्टर भार्गव ने जिले को स्वच्छ, हरा-भरा तथा खुशहाल बनाने के लिए नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील करते हुए कहा कि पौधारोपण से पर्यावरण स्वच्छ रहेगा तथा भूमिगत जल भी सुरक्षित रहेगा। यह हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए अति आवश्यक है।

धान बोवनी की तैयारी कर रहे किसान, मूंग के नहीं मिल रहे दाम

रायसेन। इन दिनों किसान धान बोवनी की तैयारी कर रहे हैं। लेकिन मूंग के अच्छे दाम नहीं मिलने से निराशा है। धान बोवनी के लिए किसान मूंग की फसल बेचकर पैसों का इंतजाम कर रहे हैं। एक ओर जहां धान के खेत तैयार हैं वहीं दूसरी ओर मूंग बेचने के लिए किसान मंडी पहुंच रहे हैं। सरकार ने समर्थन मूल्य 7125 रुपये प्रति क्विंटल मूंग की फसल खरीदने की घोषणा की थी। लेकिन अभी तक समर्थन मूल्य पर खरीदी केंद्र नहीं बनाए हैं। इसलिए किसान बाजार में मूंग छह हजार रुपये प्रति क्विंटल में बेचने को मजबूर हैं। भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार इस वर्ष दक्षिण पश्चिम मानसून के मध्यप्रदेश में सामान्य रहने की संभावना है। स्काइमेट के अनुसार पिछले 2-3 वर्षों की तरह इस वर्ष भी अच्छी बारिश का अनुमान है। जून से सितम्बर तक 103 प्रतिशत बारिश हो सकती है। मानसून के सामान्य रहने व भारतीय मौसम विभाग के अनुसार 101 प्रतिशत तक बारिश का अनुमान है। इसके चार प्रतिशत कम या ज्यादा होने की भी संभावना रहेगी। मध्यप्रदेश में मानसून अपनी तय समय सीमा 15-

18 जून के आस-पास आने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार केरल में मानसून 3 जून को दस्तक दे चुका है। मध्यप्रदेश में जून से सितम्बर तक 101-103 प्रतिशत तक बारिश होने के आसार है।? रायसेन की औसत वर्षा 1195 मिमी है। जबकि गत वर्ष लगभग औसत वर्षा 1750 मिमी हुई थी।

- फसल रकबा, हेक्टेयर में इस प्रकार है -

धान 2 लाख 30 हजार हेक्टेयर।
सोयाबीन 90 हजार हेक्टेयर।
अरहर 35 हजार हेक्टेयर।
उड़द 20 हजार हेक्टेयर।
मक्का 13 हजार हेक्टेयर।
कुल रकबा 3 लाख 96 हजार हेक्टेयर है।

- सुगंधित व हाईब्रिड धान लगाएं-

कृषि विज्ञानी डॉ. स्वप्निल दुबे ने बताया कि इस वर्ष 2021-22 में कृषि विभाग द्वारा खरीफ फसलों की बुवाई का लक्ष्य 3 लाख 96 हजार हेक्टेयर रखा गया है। फसल विविधिकरण के अंतर्गत धान के साथ-साथ मक्का, उड़द, तिल, अरहर, सोयाबीन फसलों का चयन करें। धान की अनुशंसित किस्मों का ही चयन करें।

आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण : वट सावित्री पूजन करके महिलाएं रोपेंगी बरगद का पौधा

रायसेन/सांचेत। वट सावित्री व्रत पर बरगद के पूजन का विशेष महत्व है। इस धार्मिक आस्था व परंपरा में पर्यावरण संरक्षण का महत्व भी निहित है। दो वर्ष से कोरोना महामारी के चलते ऑक्सीजन की कमी से कइयों ने अपनों को खोया है। अब वट सावित्री पर्व पर धार्मिक आयोजन के साथ ही महिलाओं में बरगद का पौधा रोपने के प्रति भी जागरूकता नजर आ रही है। अनेक महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की है। प्रस्तुत है कुछ महिलाओं से बातचीत के प्रमुख अंश।

ऑक्सीजन का मुख्य स्त्रोत हैं वृक्ष: भावना: भावना विश्वकर्मा ने बताया कि वे वट सावित्री व्रत के दौरान परंपरा अनुसार हर वर्ष बरगद के पेड़ का पूजन करती हैं। इस बार

उन्हें कोरोना महामारी में ऑक्सीजन की कमी के कारण पेड़ों का अत्याधिक महत्व पता चला है। बरगद तो अत्याधिक ऑक्सीजन देता है। इसलिए अब वे वट वृक्ष का पूजन करने के साथ ही एक बरगद के पौधे का रोपण भी करेंगी। अन्य महिलाओं को भी पौधे लगाने के लिए प्रेरित करेंगी।

संपादकीय

कोरोना काल में मीडिया ने बड़े धैर्य के साथ किया है कई चुनौतियों का सामना

प्रो. संजय द्विवेदी

कोविड-19 के दौर में हम तमाम प्रश्नों से घिरे हैं। अंग्रेजी पत्रकारिता ने अपने सीमित और विशेष पाठक वर्ग के कारण अपने संकटों से कुछ निजात पाई है। किंतु भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता के भी संकट जस के तस खड़े हैं। कोरोना संकट ने प्रिंट मीडिया को जिन गहरे संकटों में डाला है और उसके सामने जो प्रश्न उपस्थित किए हैं, उस पर संवाद जरूरी है। 30 मई, 1826 को जब पं. युगुल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिंदी के पहले पत्र का प्रकाशन प्रारंभ किया तब से लेकर प्रिंट मीडिया ने अनेक दौर देखे हैं। वे दौर तात्कालिक संकटों के थे और टल गए। अंग्रेजों के दौर से लेकर आजाद भारत में आपातकाल के दिनों से भी उसने जूझकर मुक्ति

पाई। किंतु नए कोरोना संकट ने अभूतपूर्व दृश्य देखे हैं। आगे क्या होगा इसकी इबारत अभी लिखी जानी है। कोरोना ने हमारी जीवन शैली पर निश्चित ही प्रभाव डाला है। कई मामलों में रिश्ते भी दांव पर लगते दिखे। रक्त संबंधियों ने भी संकट के समय मुंह मोड़ लिया, ऐसी खबरें भी मिलीं। सही मायने में यह पूरा समय अनपेक्षित परिर्वतनों का समय है। प्रिंट मीडिया भी इससे गहरे प्रभावित हुआ। तरह-तरह की अफवाहों ने अखबारों के प्रसार पर असर डाला। लोगों ने अखबार मंगाना बंद किया, कई स्थानों पर कालोनियों में प्रतिबंध लगे, कई स्थानों वितरण व्यवस्था भी सामान्य न हो सकी। बाजार की बंदी ने प्रसार संख्या को प्रभावित किया तो वहीं अखबारों का विज्ञापन व्यवसाय भी प्रभावित हुआ। इससे अखबारों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई। इसका परिणाम अखबारों के पेज कम हुए, स्टाफ की छंटनी और वेतन कम करने का दौर प्रारंभ हुआ। आज भी तमाम पाठकों को वापस अखबारों की ओर लाने के जतन हो रहे हैं। किंतु इस दौर में आनलाईन माध्यमों का अभ्यस्त हुआ समाज वापस लौटेगा यह कहा नहीं जा सकता। सवा साल के इस गहरे संकट की व्याख्या करने पर पता चलता है कि प्रिंट मीडिया के लिए आगे की राहें आसान नहीं है। विज्ञापन राजस्व तेजी से टीवी और डिजीटल माध्यमों पर जा रहा है, क्योंकि लॉकडाउन के दिनों में यही प्रमुख मीडिया बन गए हैं। तकनीक में भी परिवर्तन आया है। जिसके लिए शायद अभी हमारे प्रिंट माध्यम उस तरह से तैयार नहीं थे। इस एक सवा साल की कहानियां गजब हैं। मौत से जूझकर भी खबरें लाने वाला मैदानी पत्रकार है, तो घर से ही अखबार चला रहा डेस्क और संपादकों का समूह भी है।

क्या है 5जी तकनीक ? क्या इस पर प्रतिबंध की मांग उचित है ?

याचिका में 5जी से संभावित खतरों का जि करते हुए 2019 में बेल्जियम की पर्यावरण मंत्री सेलीन फ्रेमां के उस बयान का उल्लेख किया गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि ब्रसेल्स के लोग 'गिनी पिग' नहीं हैं, जिनके स्वास्थ्य को हम मुनाफे के लिए बेच दें और वह ऐसी तकनीक का स्वागत नहीं कर सकती, जिससे नागरिकों की सुरक्षा करने वाले रेडिएशन स्टैंडर्ड्स की इज्जत नहीं हो सकती, फिर चाहे वह 5जी ही हो। याचिका में कहा गया कि इस मामले पर अध्ययन किया जाना चाहिए कि कहीं इस तकनीक के चलते इंसानों, जानवरों और प्रकृति को नुकसान तो नहीं हो रहा।

योगेश कुमार गोयल

4 जून को दिल्ली हाईकोर्ट ने बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री जूही चावला की भारत में 5जी नेटवर्क लगाने के खिलाफ दायर की गई जनहित याचिका को खारिज करते हुए उन पर यह कहते हुए 20 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया कि याचिकाकर्ताओं ने कानूनी प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल किया है। उल्लेखनीय है कि जूही चावला सहित दो अन्य याचिकाकर्ताओं वीरेश मलिक और टीना वाच्छानी ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर 5जी तकनीक की टेस्टिंग को लेकर सवाल खड़े किए थे।

याचिका में 5जी से संभावित खतरों का जिक्र करते हुए 2019 में बेल्जियम की पर्यावरण मंत्री सेलीन फ्रेमां के उस बयान का उल्लेख किया गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि ब्रसेल्स के लोग 'गिनी पिग' नहीं हैं, जिनके स्वास्थ्य को हम मुनाफे के लिए बेच दें और वह ऐसी तकनीक का स्वागत नहीं कर सकती, जिससे नागरिकों की सुरक्षा करने वाले रेडिएशन स्टैंडर्ड्स की इज्जत नहीं हो सकती, फिर चाहे वह 5जी ही हो। याचिका में कहा गया कि इस मामले पर अध्ययन किया जाना चाहिए कि कहीं इस तकनीक के चलते इंसानों, जानवरों और प्रकृति को नुकसान तो नहीं हो रहा।

याचिकाकर्ताओं ने करीब पांच हजार पन्नों वाली अपनी याचिका डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिकेशंस, साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड, आईसीएमआर, सीपीसीबी जैसी कुछ कई प्रमुख सरकारी एजेंसियों कुछ यूनिवर्सिटी तथा डब्ल्यूएचओ को पार्टी बनाते हुए अदालत से मांग की थी कि वह इन एजेंसियों को आदेश दे कि वे निष्पक्ष जांच करके पता लगाएं कि 5जी स्वास्थ्य के लिए कितना सुरक्षित है। याचिकाकर्ताओं के वकील दीपक खोसला ने अदालत से अनुरोध किया था कि 5जी तकनीक से गंभीर खतरे हैं, इसलिए इसे तब तक रोक दिया जाए, जब तक कि सरकार स्वयं पुष्टि न करे कि इससे कोई खतरा नहीं है।

बहरहाल, अदालत द्वारा याचिका को दोषपूर्ण, अदालत का समय बर्बाद करने वाली और प्रचार पाने के लिए दायर की गई याचिका बताते हुए न केवल इसे खारिज कर दिया गया बल्कि याचिकाकर्ताओं पर 20 लाख रुपये का जुर्माना भी ठोंक दिया। अदालत की नाराजगी की वजह यह भी थी कि जूही चावला ने सुनवाई का लिंक सोशल मीडिया पर शेयर किया था और कुछ अज्ञात लोगों ने उसी लिंक के जरिये तीन बार अदालती कार्यवाही के दौरान जूही चावला के गाने गाकर सुनवाई में व्यवधान उत्पन्न किया। इसलिए भी अदालत द्वारा सख्त शब्दों में कहा गया कि ऐसा लगता है कि यह याचिका पब्लिसिटी के लिए दायर की गई थी। याचिका पर फैसला देते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि याचिका में कुछ ही ऐसी जानकारी हैं, जो सही हैं बाकी सिर्फ कयास ही लगाए गए हैं और संशय जाहिर किया गया है। दरअसल जब अदालत ने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के वकील से पूछा कि उन्होंने किस आधार पर यह संशय जाहिर किया और क्या इसे लेकर कोई जानकारी, स्टडी या रिपोर्ट है तो 'नहीं' में जवाब देते हुए दलील दी गई कि यही जानकारियां हासिल करने के लिए उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया है। उसी के बाद अदालत ने यह टिप्पणी करते हुए याचिका को खारिज कर दिया कि अदालत उम्मीद करती है कि यदि अदालत में कोई याचिका दायर की जा रही है तो वह पूरे तथ्यों और जानकारी के साथ ही दायर हो, अदालत का समय बर्बाद करने के लिए नहीं। जूही चावला की याचिका में कहा गया था कि यदि टेलीकम्युनिकेशंस इंडस्ट्री की 5जी योजना सफल हो गई तो कोई भी व्यक्ति, जानवर, चिड़िया और यहां तक कि कोई पत्ता तक हर पल रेडियो फ्रीक्वेंसी रेडिएशन से बच नहीं सकेगा और इस रेडिएशन का स्तर आज के स्तर से 10 से 100 गुना ज्यादा होगा।

हालांकि विश्व के कई अन्य देशों में भी लोग ऐसी चिंताएं जताते रहे हैं कि 5जी रेडिएशन का एक्सपोजर बढ़ने से कैंसर जैसी प्राणघातक बीमारियां तेजी से बढ़ सकती हैं लेकिन अभी तक के अधिकांश अध्ययनों में यही कहा गया है कि 5जी एंटीना से निकलने वाले रेडिएशन का स्तर कम होता है। दरअसल मोबाइल सिग्नल भेजने या रिसीव करने के लिए 5जी तकनीक को कई नए बेस स्टेशनों की जरूरत पड़ती है। इस तकनीक को पुरानी तकनीक के मुकाबले जमीन के नजदीक ज्यादा ट्रांसमीटर की जरूरत होती है और ज्यादा ट्रांसमीटरों का अर्थ है कि वे 4-जी तकनीक के मुकाबले कम बिजली पर चल सकते हैं अर्थात् एंटीना से निकलने वाले रेडिएशन का स्तर कम होता है। हालांकि इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च द्वारा मोबाइल फोन से पैदा होने वाले इलैक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड को इंसानों के लिए संभावित कैंसर पैदा करने वाला माना गया है लेकिन डब्ल्यूएचओ की एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक इस संबंध में ऐसे कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले हैं, जिनसे साबित होता हो कि मोबाइल फोन से पैदा होने वाले इलैक्ट्रोमैग्नेटिग फील्ड से इंसानों में पक्के तौर पर कैंसर होता है। वैसे भी 5जी तकनीक को दूसरी सेल्युलर तकनीकों से अलग माना जाता है। दरअसल 5जी नेटवर्क रेडियो तरंगों पर आधारित सिग्नलों पर निर्भर होता है, जो एंटीना तथा मोबाइल फोन के बीच प्रसारित होती हैं। यह तकनीक पुराने मोबाइल नेटवर्क से ज्यादा फ्रीक्वेंसी वाली तरंगों का इस्तेमाल करती है, जिससे बहुत तेज इंटरनेट स्पीड के साथ एक साथ बहुत ज्यादा मोबाइल फोनों पर इंटरनेट सुविधा का आनंद लिया जा सकता है। 5जी तकनीक से मानव स्वास्थ्य पर क्या खतरे उत्पन्न हो सकते हैं, इसका खुलासा तो दुनियाभर में निष्पक्ष वैज्ञानिक अध्ययनों के बाद ही हो सकेगा लेकिन इंटरनेशनल कमीशन ऑन नॉन आयोनाइजिंग रेडिएशन प्रोटेक्शन के अध्ययनकर्ताओं का यह अवश्य कहना है कि 5जी रेडिएशन से निकलने वाली गर्मी नुकसान नहीं पहुंचाती। उनके मुताबिक अगर 5जी रेडिएशन से कोई व्यक्ति सर्वाधिक रेडियो फ्रीक्वेंसी से भी एक्सपोज हुआ होगा तो वह भी इतना कम होगा कि उससे आज तक तापमान बढ़ा हुआ नहीं पाया गया। बहरहाल, वर्ष 2020 में डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के मुताबिक विश्व स्वास्थ्य संगठन 2022 में 5जी सहित सभी रेडियो फ्रीक्वेंसी के एक्सपोजर से स्वास्थ्य पर होने वाले खतरों पर एक रिपोर्ट प्रकाशित करेगा। उसके बाद ही यह खुलासा हो सकेगा कि 5जी रेडिएशन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है या नहीं और है तो किस हद तक?

जहां तक 5जी तकनीक को लेकर जूही चावला की याचिका की टाइमिंग का सवाल है तो यह पूरी तरह गलत था। दरअसल पिछले कुछ समय से भारत सहित दुनिया के कई हिस्सों में 5जी तकनीक को कोरोना संक्रमण से जोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि 5जी टेस्टिंग के कारण ही दुनियाभर में कोरोना वायरस का प्रसार हो रहा है। ऐसी ही अफवाहों के चलते पिछले साल ब्रिटेन में लोगों द्वारा कुछ 5जी टावरों को आग लगा दी गई थी।

मायावती ने दो बड़े नेताओं को बाहर कर साहस तो दिखाया है, लेकिन इससे बसपा को ही नुकसान होगा

अजय कुमार

बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने चुनावी साल में अपने दो दिग्गज नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा कर यह साबित कर दिया है कि चुनाव आते-जाते रहते हैं लेकिन पार्टी में रह कर उनको कोई धोखा नहीं दे सकता है। जो धोखा देने या पीठ में छुरा भोंकने की सोचता भी है, उनको बहनजी सुधरने का मौका देने के बजाए 'सजा' सुनाती हैं। इसी के चलते बहनजी द्वारा बसपा विधानमंडल दल के नेता लालजी वर्मा और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय महासचिव राम अचल राजभर को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। दरअसल, सत्ता के गलियारों में यह चर्चा काफी समय से चल रही थी उक्त दोनों नेता समाजवादी पार्टी का दामन थामने वाले हैं। बस इन दोनों नेताओं का उचित समय का इंतजार था। यह नेता तब दलबदल कर सकते थे जब चुनाव की तारीखें करीब आ जातीं। इससे बसपा के खिलाफ फिजां बनती और समाजवादी पार्टी को फायदा होता। मायावती को इसकी भनक लग गई और उन्होंने दोनों नेताओं के मंसूबे पूरे होते, इससे पहले ही इनको बाहर का रास्ता दिखा दिया। इतना

ही नहीं बहनजी ने आजगमढ़ के मुबारकपुर से विधायक शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को विधायक दल का नया नेता भी घोषित कर दिया। उत्तर प्रदेश में अपने लिये ज्यादा संभावनाएं ना देखे विपक्ष, बीजेपी की रणनीति सबको चौंकाने वाली है लालजी वर्मा और राजभर पिछड़ा समाज से आते थे और बहनजी ने ही इन दोनों के कंधों पर पिछड़ा समाज को बसपा के साथ जोड़ने की जिम्मेदारी डाल रखी थी। बात बसपा विधायक दल के नेता बनाए गए शाह आलम की कि जाए तो आलम के जरिए मायावती ने मुस्लिमों में एक बार फिर से पैठ बनाने की कोशिश की है। बताते चलें कि 2017 के विधानसभा चुनाव में भी बसपा ने सबसे अधिक मुस्लिम प्रत्याशियों को मैदान में उतारा था। बसपा ने 99 मुस्लिम प्रत्याशी उतारे थे, बाद में मुख्तार अंसारी ने भी बसपा का दामन थाम लिया था, इसके बदले में उनके परिवार के तीन लोगों को टिकट दिया गया था। जबकि सपा-कांग्रेस गठबंधन ने 89 मुस्लिम प्रत्याशियों को मैदान में उतारा था। हो सकता है कि बहनजी ने 2017 के ही फार्मूले को आगे बढ़ाने के लिए शाह आलम को नया विधायक दल का नेता बनाया हो। हो सकता है कि लाल जी वर्मा के मुकाबले शाह आलम बसपा के लिए ज्यादा वोट बटोरने वाले नेता साबित हों। बसपा सुप्रीमो ने दोनों नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाया तो पार्टी की तरफ से मीडिया को बताया गया कि राजभर और वर्मा को पंचायत चुनाव के दौरान पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण तत्काल प्रभाव से निष्कासित किया गया है। समय का फेर ही है कि जो राजभर और वर्मा कभी बहन मायावती की आंख के तारे हुआ करते थे, वह अब उनकी आंख की किरकिरी बन गए थे।

उत्तर प्रदेश में अपने लिये ज्यादा संभावनाएं ना देखे विपक्ष

स्वदेश कुमार

भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उत्तर प्रदेश की सत्ता में पुनः वापसी के लिए 'मिशन-2022' पर काम शुरू कर दिया है। एक तरह से अगले वर्ष होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए केन्द्र ने कमान अपने हाथों में ले ली है। आलाकमान के कई बड़े नेता यूपी आकर संगठन और सरकार की ऊपर से नीचे तक नब्ज टटोल रहे हैं, लेकिन इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है कि नब्ज टटोलते समय सरकार या संगठन की कोई कमजोरी विरोधियों के हाथ नहीं लग जाए। जिससे जनता के बीच योगी सरकार को लेकर किसी तरह का गलत मैसेज जाए। इसी को ध्यान में रखकर बीजेपी आलाकमान संभवतः योगी सरकार की कैबिनेट में कोई बड़ा फेरबदल नहीं करेगी। लेकिन इसका यह मतलब भी नहीं है कि सत्ता विरोधी लहर को थामने के लिए आलाकमान द्वारा कुछ किया ही नहीं जाएगा। आलाकमान ने जो रणनीति बनाई है उसके अनुसार विरोधी दलों के नेता जितनी तेजी से योगी सरकार के खिलाफ हमलावर होंगे

उसकी दुगनी तेजी से उन्हें पार्टी और सरकारी स्तर से जबाव दिया जाएगा, मगर मर्यादा का भी ध्यान रखा जाएगा। विरोधियों के आरोपों को तर्कपूर्ण तरीके से 'काटा' जाएगा। आलाकमान को जहां लगेगा कि सुधार की जरूरत है, वहां चुपचाप तरीके से सुधार भी होगा, लेकिन यह सब पर्दे के पीछे से किया जाएगा। हो सकता है इसी लिए योगी कैबिनेट में कुछ विस्तार किया जाए, लेकिन छुट्टी सिर्फ उन मंत्रियों की ही की जाए, जिनकी नकारात्मक छवि के कारण सरकार की बदनामी हो रही है। आलाकमान को सबसे अधिक चिंता इस बात की है कि एक तरफ तो कोरोना की दूसरी लहर से निपटने में योगी सरकार ने अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया।

हिन्दू धर्म में भगवान बुद्ध

भगवान बुद्ध को विष्णु का अवतार माना जाता है अनेक पुराणों में इसका उल्लेख मिलता है।

गौतम बुद्ध (जन्म 563 ईसा पूर्व - निर्वाण 483 ईसा पूर्व) एक श्रमण थे जिनकी शिक्षाओं पर बौद्ध धर्म का प्रचलन हुआ।

इनका जन्म लुंबिनी में 563 ईसा पूर्व इक्ष्वाकु वंशीय क्षत्रिय शाक्य कुल के राजा शुद्धोधन के घर में हुआ था। उनकी माँ का नाम महामाया था जो कोलीय वंश से थीं, जिनका इनके जन्म के सात दिन बाद निधन हुआ, उनका पालन महारानी की छोटी सगी बहन महाप्रजापती गौतमी ने किया। 29 वर्ष की आयु में सिद्धार्थ विवाहोपरांत एक मात्र प्रथम नवजात शिशु राहुल और धर्मपत्नी यशोधरा को त्यागकर संसार को जरा, मरण, दुखों से मुक्ति दिलाने के मार्ग एवं सत्य दिव्य ज्ञान की खोज में रात्रि में राजपाठ का मोह त्यागकर वन की ओर चले गए। वर्षों की कठोर साधना के पश्चात बोध गया (बिहार) में बोधि वृक्ष के नीचे उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे सिद्धार्थ गौतम से भगवान बुद्ध बन गए।

जीवन वृत्त

उनका जन्म 563 ईस्वी पूर्व के बीच शाक्य गणराज्य की तत्कालीन राजधानी कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी में हुआ था, जो नेपाल में है। लुम्बिनी वन नेपाल के तराई क्षेत्र में कपिलवस्तु और देवदह के बीच नौतनवा स्टेशन से 8 मील दूर पश्चिम में रुक्मिनदेई नामक स्थान के पास स्थित था। कपिलवस्तु की महारानी महामाया देवी के अपने नैहर देवदह जाते हुए रास्ते में प्रसव पीड़ा हुई और वहीं उन्होंने एक बालक को जन्म दिया। शिशु का नाम सिद्धार्थ रखा गया। गौतम गोत्र में जन्म लेने के कारण वे गौतम भी कहलाए। क्षत्रिय राजा शुद्धोधन उनके पिता थे। परंपरागत कथा के अनुसार सिद्धार्थ की माता का उनके जन्म के सात दिन बाद निधन हो गया था। उनका पालन पोषण उनकी मौसी और शुद्धोधन की दूसरी रानी महाप्रजावती (गौतमी)ने किया। शिशु का नाम सिद्धार्थ दिया गया, जिसका अर्थ है वह जो सिद्धी प्राप्ति के लिए जन्मा हो। जन्म समारोह के दौरान, साधु द्रष्टा आसित ने अपने पहाड़ के निवास से घोषणा की- बच्चा या तो एक महान राजा या एक महान पवित्र पथ प्रदर्शक बनेगा। शुद्धोधन ने पांचवें दिन एक नामकरण समारोह आयोजित किया और आठ ब्राह्मण विद्वानों को भविष्य पढ़ने के लिए आमंत्रित किया। सभी ने एक सी दोहरी भविष्यवाणी की, कि बच्चा या तो एक महान राजा या एक महान पवित्र आदमी बनेगा। दक्षिण मध्य नेपाल में स्थित लुंबिनी में उस स्थल पर महाराज अशोक ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व बुद्ध के जन्म की स्मृति में एक स्तम्भ बनवाया था।

शिक्षा एवं विवाह

सिद्धार्थ ने गुरु विश्वामित्र के पास वेद और उपनिषद्? को तो पढ़ा ही , राजकाज और युद्ध-विद्या की भी शिक्षा ली। कुश्ती, घुड़दौड़, तीर-कमान, रथ हाँकने में कोई उसकी बराबरी नहीं कर पाता। सोलह वर्ष की उम्र में सिद्धार्थ का कन्या यशोधरा के साथ विवाह हुआ। पिता द्वारा ऋतुओं के अनुरूप बनाए गए वैभवशाली और समस्त भोगों से युक्त महल में वे यशोधरा के साथ रहने लगे जहाँ उनके पुत्र राहुल का जन्म हुआ। लेकिन विवाह के बाद उनका मन वैराग्य में चला और सम्यक सुख-शांति के लिए उन्होंने अपने परिवार का त्याग कर दिया।

विरक्तिः सिद्धार्थ का महाभिनिष्क्रमण (रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा चित्रित)

राजा शुद्धोधन ने सिद्धार्थ के लिए भोग-विलास का भरपूर प्रबंध कर दिया। तीन ऋतुओं के लायक तीन सुंदर महल बनवा दिए। वहाँ पर नाच-गान और मनोरंजन की सारी सामग्री जुटा दी गई। दास-दासी उसकी सेवा में रख दिए गए। पर ये सब चीजें सिद्धार्थ को संसार में बाँधकर नहीं रख सकीं। वसंत ऋतु में एक दिन सिद्धार्थ बगीचे की सैर पर निकले। उन्हें सड़क पर एक बूढ़ा आदमी दिखाई दिया। उसके दाँत टूट गए थे, बाल पक गए थे, शरीर टेढ़ा हो गया था। हाथ में लाठी पकड़े धीरे-धीरे काँपता हुआ वह सड़क पर चल रहा था। दूसरी बार कुमार जब बगीचे की सैर को निकला, तो उसकी आँखों के आगे एक रोगी आ गया। उसकी साँस तेजी से चल रही थी। कंधे ढीले पड़ गए थे। बाँहें सूख गई थीं। पेट फूल गया था। चेहरा पीला पड़ गया था। दूसरे के सहारे वह बड़ी मुश्किल से चल पा रहा था। तीसरी बार सिद्धार्थ को एक अर्थी मिली। चार आदमी उसे उठाकर लिए जा रहे थे।

बौद्ध धर्म एवं संघ

बुद्ध के धर्म प्रचार से भिक्षुओं की संख्या बढ़ने लगी। बड़े-बड़े राजा-महाराजा भी उनके शिष्य बनने लगे। भिक्षुओं की संख्या बहुत बढ़ने पर बौद्ध संघ की स्थापना की गई। बाद में लोगों के आग्रह पर बुद्ध ने स्त्रियों को भी संघ में ले लेने के लिए अनुमति दे दी, यद्यपि इसे उन्होंने उतना अच्छा नहीं माना। भगवान बुद्ध ने 'बहुजन हिताय' लोककल्याण के लिए अपने धर्म का देश-विदेश में प्रचार करने के लिए भिक्षुओं को इधर-उधर भेजा। अशोक आदि सम्राटों ने भी विदेशों में बौद्ध धर्म के प्रचार में अपनी अहम भूमिका निभाई। मौर्यकाल तक आते-आते भारत से निकलकर बौद्ध धर्म चीन, जापान, कोरिया, मंगोलिया, बर्मा, थाईलैंड, हिंद चीन, श्रीलंका आदि में फैल चुका था। इन देशों में बौद्ध धर्म बहुसंख्यक धर्म है।

ज्ञान की प्राप्ति

असुरों के बीच घिरे ध्यान मुद्रा में महात्मा बुद्ध

बुद्ध के प्रथम गुरु आलार कलाम थे,जिनसे उन्होंने संन्यास काल में शिक्षा प्राप्त की। 35 वर्ष की आयु में वैशाखी पूर्णिमा के दिन सिद्धार्थ पीपल वृक्ष के नीचे ध्यानस्थ थे। बुद्ध ने बोधगया में निरंजना नदी के तट पर कठोर तपस्या की तथा सुजाता नामक लड़की के हाथों खीर खाकर उपवास तोड़ा। समीपवर्ती गाँव की एक स्त्री सुजाता को पुत्र हुआ।वह बेटे के लिए एक पीपल वृक्ष से मन्नत पूरी करने के लिए सोने के थाल में गाय के दूध की खीर भरकर पहुँची। सिद्धार्थ वहाँ बैठा ध्यान कर रहा था। उसे लगा कि वृक्षदेवता ही मानो पूजा लेने के लिए शरीर धरकर बैठे हैं। सुजाता ने बड़े आदर से सिद्धार्थ को खीर भेंट की और कहा- 'जैसे मेरी मनोकामना पूरी हुई, उसी तरह आपकी भी हो।' उसी रात को ध्यान लगाने पर सिद्धार्थ की साधना सफल हुई।

धर्म-चक्र-प्रवर्तन

वे 80 वर्ष की उम्र तक अपने धर्म का संस्कृत के बजाय उस समय की सीधी सरल लोकभाषा पाली में प्रचार करते रहे। उनके सीधे सरल धर्म की लोकप्रियता तेजी से बढ़ने लगी। चार सप्ताह तक बोधिवृक्ष के नीचे रहकर धर्म के स्वरूप का चिंतन करने के बाद बुद्ध धर्म का उपदेश करने निकल पड़े। आषाढ़ की पूर्णिमा को वे काशी के पास मृगदाव (वर्तमान में सारनाथ) पहुँचे। वहीं पर उन्होंने सर्वप्रथम धर्मोपदेश दिया और प्रथम पाँच मित्रों को अपना अनुयायी बनाया और फिर उन्हें धर्म प्रचार करने के लिये भेज दिया। महाप्रजापती गौतमी (बुद्ध की विमाता) को सर्वप्रथम बौद्ध संघ मे प्रवेश मिला।आनंद,बुद्ध का प्रिय शिष्य था। बुद्ध आनंद को ही संबोधित करके अपने उपदेश देते थे।

महापरिनिर्वाण

बुद्ध परिनिर्वाण में प्रवेश करते हुए

पालि सिद्धांत के महापरिनिर्वाण सुत्त के अनुसार 80 वर्ष की आयु में बुद्ध ने घोषणा की कि वे जल्द ही परिनिर्वाण के लिए रवाना होंगे। बुद्ध ने अपना आखिरी भोजन, जिसे उन्होंने कुन्डा नामक एक लोहार से एक भेंट के रूप में प्राप्त किया था, ग्रहण लिया जिसके कारण वे गंभीर रूप से बीमार पड़ गये। बुद्ध ने अपने शिष्य आनंद को निर्देश दिया कि वह कुन्डा को समझाए कि उसने कोई गलती नहीं की है। उन्होने कहा कि यह भोजन अतुल्य है।

उपदेश

भगवान बुद्ध ने लोगों को मध्यम मार्ग का उपदेश किया। उन्होंने दुःख, उसके कारण और निवारण के लिए अष्टांगिक मार्ग सुझाया। उन्होंने अहिंसा पर बहुत जोर दिया है। उन्होंने यज्ञ और पशु-बलि की निंदा की। बुद्ध के उपदेशों का सार इस प्रकार है -

- **महात्मा बुद्ध ने सनातन धरम के कुछ संकल्पनाओं का प्रचार किया, जैसे अग्निहोत्र तथा गायत्री मन्त्र**
- **ध्यान तथा अन्तर्दृष्टि**
- **मध्यमार्ग का अनुसरण**
- **चार आर्य सत्य**
- **अष्टांग मार्ग**

अक्षय कुमार ने बेल बॉटम की टीम के साथ नई फिल्म साइन की

आदित्य चोपड़ा लगवा रहे फिल्म इंडस्ट्री के कर्मचारियों को वैक्सीन

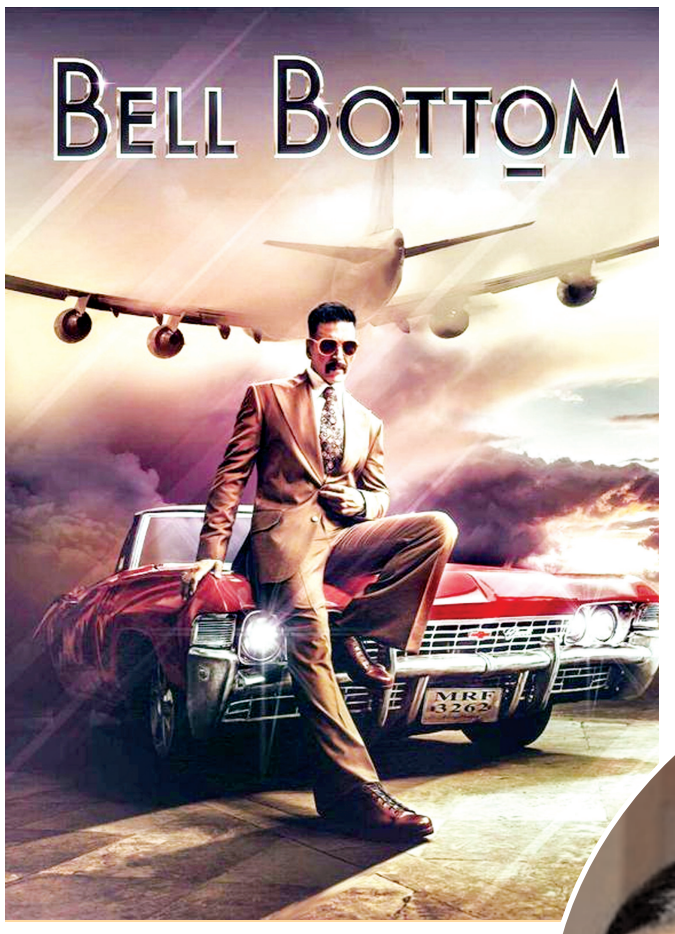

बेल बॉटम के बाद एक बार फिर अक्षय कुमार इसी फिल्म की टीम के साथ काम करने जा रहे हैं। फिल्म का टाइटल अभी तक तय नहीं हुआ है। लेकिन इसे बेल बॉटम की तरह वाशु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपशिखा देशमुख की कंपनी पूजा एंटरटेनमेंट ही प्रोड्यूस करेगी। बताया जा रहा है कि प्रोड्यूसर्स ने जैसे ही अक्षय को कहानी सुनाई, उन्होंने तुरंत ही फिल्म के लिए हामी भर दी। यह बिग बजट एक्शन फिल्म होगी। रक्षा बंधन और राम सेतु के रैपअप के बाद अक्षय इसी साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। फिल्म के डायरेक्टर का नाम फिलहाल सामने नहीं आया है।

सलमान-शाहरुख में से किसी एक को चुनने पर विद्या ने दिया मजेदार जवाब

एक्ट्रेस विद्या बालन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर सवाल-जवाब का सेशन होस्ट किया। इस दौरान फैन्स ने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े सवाल किए और उन्होंने भी बेबाकी से उनके जवाब दिए। हालांकि, सबसे ज्यादा ध्यान उस फैन को दिए जवाब ने खींचा, जिसने विद्या को शाहरुख खान और सलमान खान में से किसी एक को चुनने के लिए कहा। विद्या ने पति सिद्धार्थ रॉय कपूर के साथ एक फोटो शेयर की और लिखा, मेरा एसआरके (सिद्धार्थ रॉय कपूर)। जब एक फैन ने उनसे पूछा कि क्या वे कमिटेड हैं तो उन्होंने सिद्धार्थ के साथ एक अन्य फोटो शेयर की और लिखा, लगता तो ऐसा ही है। विद्या की अपकमिंग फिल्म शेरनी है, जो 18 जून को OTT पर रिलीज होगी।

यामी की शॉर्ट नोटिस वेडिंग

वेडिंग प्लानर गीतेश शर्मा बोले- देवदार के पेड़ के सामने हुई थी शादी

यामी गौतम और आदित्य धर ने 4 जून को सीक्रेट वेडिंग कर ली थी। जिसकी फोटो यामी ने सोशल मीडिया पर शेयर की थी। अब उनके वेडिंग प्लानर ने उनकी शादी से जुड़ी कुछ बातें शेयर की हैं। गीतेश शर्मा ने बताया कि यामी के पिता ने शादी की रस्में शुरू से एक दिन पहले ही उनसे कॉन्टैक्ट किया था। यामी-आदित्य की शादी महज दो दिनों के अंदर मंडी हिमाचल में उनके फार्म हाउस पर हुई है।

अपने पंडित लेकर आई थी गौतम फैमिली

एक इंटरव्यू में गीतेश ने बताया कि यामी के पापा ने संगीत और मेहंदी शुरू होने के एक दिन पहले हमसे संपर्क किया। गौतम फैमिली बिलासपुर और हमीरपुर से अपने पंडित लेकर आई थी। यामी-आदित्य इस बात को लेकर स्पष्ट थे कि वे लार्जर दैन लाइफ या ग्लैमरस वेडिंग नहीं चाहते। बल्कि सेरेमनी को नैचुरल और पारंपरिक रूप से करना चाहते हैं। जो उनके होम टाउन में हुआ भी।

ऐसी रही यामी-आदित्य की ट्रेडीशनल वेडिंग

गीतेश बताते हैं कि उन दोनों ने देवदार के पेड़ के सामने शादी की। मंडप गेंदे के फूलों और केले के पत्तों से सजा था। पूरा डेकोर सुनहर सफेद रंग का था। शादी के बाद फैमिली के साथ शाम को एक छोटा सा रिसेप्शन भी हुआ। मेहंदी बारामदे में हुई। शादी के बाद मंडी धाम में पारंपरिक भोज भी हुआ। धाम में पालक की ग्रेवी में उड़द की दाल की पकौड़ी वाली सेपू बड़ी, कद्दू-चना खट्टा और डेजर्ट में बदाना शामिल थे।

पहली बारः सारा के साथ नजर आएंगी अमृता सिंह

30 साल बाद विज्ञापन किया, एक्ट्रेस ने चम्पी करवाती फोटो की शेयर

सारा अली खान पहली बार अपनी मां अमृता सिंह के साथ स्क्रीन शेयर करने जा रही हैं। जिसकी एक झलक उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की। इस फोटो में अमृता को सारा की चम्पी करते हुए देखा जा सकता है। सारा ने फोटो के साथ कोई कैप्शन नहीं लिखा है। लेकिन कुछ इमोजी पोस्ट किए हैं जिनमें एक मां-बेटी, एक हैचिंग चिक, बेबी चिकन, बीटिंग हार्ट और हेड मसाज लेती एक लड़की शामिल है।

30 साल बाद ऐड कर रही हैं अमृता

यह ऐड मामा अर्थ का हेयर केयर प्रोडक्ट का है। जिसके लिए दोनों को चुना गया। इस ऐड से अमृता सिंह ब्रैंड वर्ल्ड में करीब 30 साल बाद वापसी कर ही है। उन्होंने दशकों पहले लाइम लाइट से दूर होने का ऑप्शन चुना था। यह ऐड बुधवार को रिलीज किया जाएगा। अमृता ने 1983 में फिल्म बेताब से सनी देओल के साथ डेब्यू किया था, साथ ही उन्हें पिछली बार 2007 में दस कहानियां में देखा गया था। मामा अर्थ ने अपने सोशल मीडिया पर एक इस फोटो को शेयर करते हुए लिखा है कि जब बात सारा की आती है तो हम शायरी नहीं कर सकते हैं।

स्टूडेंट ऑफ दि ईयर 3 से बॉलीवुड डेब्यू करेंगी संजय कपूर की बेटी शनाया

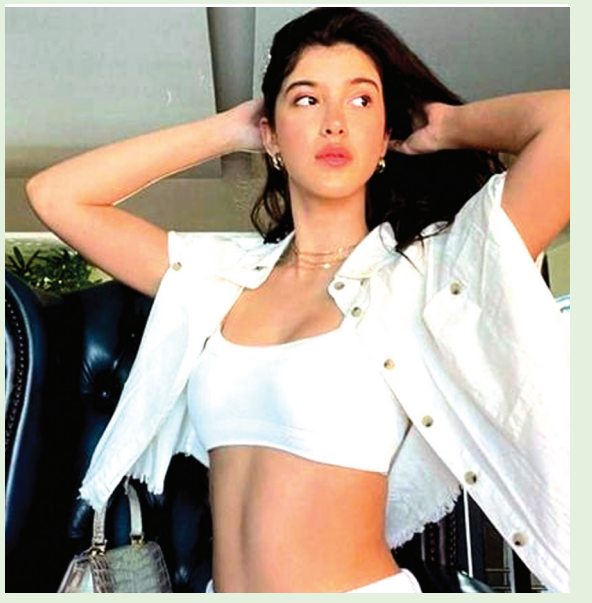

पिछले कुछ समय से चर्चा है कि संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर करन जौहर की फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो उनकी पहली फिल्म स्टूडेंट ऑफ दि ईयर 3 होगी। हालांकि, अभी तक इसकी पुष्टि होनी बाकी है। लेकिन बताया जा रहा है कि धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले इस फिल्म का निर्देशन शशांक खेतान करेंगे। जबकि लक्ष्य लालवानी और गुरफतेह सिंह पीरजादा फिल्म में लीड रोल निभाएंगे। कहा यहां तक जा रहा है कि शनाया, लक्ष्य और गुरफतेह पिछले 6 महीने से फिल्म के लिए कई तरह की वर्कशॉप ले रहे हैं। फिल्म जुलाई में फ्लोर पर आनी थी। लेकिन कोविड-19 की वजह से बने हालात के चलते शूटिंग डिले हो गई। अब इस साल के अंत तक फिल्म फ्लोर पर आ सकती है और इसे अगले साल रिलीज करने की प्लानिंग है।

7600 से 15700 के ऊपर निकला निफ्टी

- आर्थिक ग्रोथ सुस्त होने के बावजूद 14 महीने में दोगुना हुआ बाजार
- एक्सपर्ट ने कहा शेयरों में मिलेगा जोरदार रिटर्न, जानें इकोनॉमी-मार्केट का कनेक्शन

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार रिकॉर्ड स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स 52,300 और निफ्टी 15,700 के पार पहुंच गया। वहीं, कोरोना की दूसरी लहर के बाद लॉकडाउन के चलते देश की आर्थिक रफ्तार सुस्त हुई है। ये महामारी का ही असर है, जो देश की आर्थिक ग्रोथ यानी त्नष्ठक्क दर चार दशक के निचले स्तर पर आ गई।

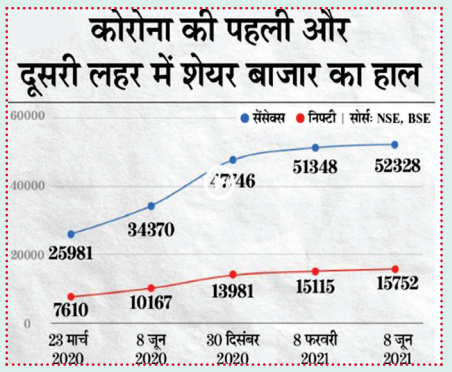

अब सवाल ये है कि आर्थिक ग्रोथ कमजोर पड़ने के बावजूद बाजार में तेजी क्यों है: हमने 3 एक्सपर्ट्स से बातचीत की। जानकार मानते हैं कि बाजार में मौजूदा तेजी भविष्य में होने वाले आर्थिक सुधार की वजह से है। वैक्सीनेशन बढ़ने से पाबंदियों में ढील दी जाएगी। जैसा कि पिछले एक हफ्ते से हम देख भी रहे हैं। हालांकि दूसरी लहर के दौरान पिछले लॉकडाउन जैसी सख्ती भी नहीं रही। इस बार इंडस्ट्रियल कामकाज में थोड़ी रियायतें भी दी गईं। आर्थिक मोर्चे पर बेहतरी के संकेत का ही नतीजा है कि शेयर बाजार का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 2021 में 8 जून तक 9.6त्न और निफ्टी 12.7त्न चढ़ चुका है। इस दौरान मिडकैप शेयरों ने सबसे ज्यादा 27त्न का रिटर्न दिया। सालभर में बाजार दोगुना हो गया है, क्योंकि देश में घरेलू निवेशकों की संख्या के साथ-साथ विदेशी निवेश भी बढ़ा है।

कोरोना की पहली और दूसरी लहर में शेयर बाजार का हाल

विदेशी शेयर बाजारों में पॉजिटिव ग्रोथ

बॉन्ड मार्केट में आई स्थिरता का फायदा
कोरोना के मामलों में लगातार गिरावट
देश में वैक्सीनेशन की रफ्तार में तेजी

कंपनियों ने चौथी तिमाही के मजबूत नतीजे जारी किए

डिपॉजिटरीज डेटा के मुताबिक फाइनेंशियल इयर 2020-21 में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2.75 लाख करोड़ रुपए का इन्वेस्टमेंट किया, जो दो दशक में सबसे ज्यादा है। वहीं, पूरे फाइनेंशियल इयर में ब्रोकरेज कंपनियों ने पिछले साल अप्रैल से 31 मई 2021 तक हर महीने औसतन 13 लाख नए डीमैट अकाउंट खोले हैं। 31 मई तक देश में कुल 6.9 करोड़ डीमैट अकाउंट थे।

समस्या के सॉल्युशन पर कंपनी की तैयारी

वित्त मंत्री को नंदन नीलकेणि का जवाब- नए इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल में गड़बड़ियों पर हमें पछतावा, इसका समाधान जल्द होगा

मुंबई। इंफोसिस ने नेक्स्ट जनरेशन का इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल तैयार किया है। इससे ढ्ढञ्जक्र के लिए प्रोसेस करने में कम समय लगने की उम्मीद है। इंफोसिस ने नेक्स्ट जनरेशन का इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल तैयार किया है। इससे ढ्ढञ्जक्र के लिए प्रोसेस करने में कम समय लगने की उम्मीद है। आयकर विभाग के नए इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल में आ रही समस्या पर इंफोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलकेणि का भी बयान आ गया है। उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को जवाब देते हुए कहा कि उनकी कंपनी को इन शुरुआती गड़बड़ियों को लेकर पछतावा है। साथ ही भरोसा भी दिलाया कि लेकिन सिस्टम कुछ दिनों में सामान्य हो जाएगा।

नंदन नीलकेणि ने दिया FM का जवाब

इस पर नंदन नीलकेणि ने जवाब देते हुए कहा कि नए ई-फाइलिंग पोर्टल फाइलिंग प्रोसेस को आसान करेगा और यूजर्स के एक्सपीरियंस को बढ़ाएगा। निर्मला सीतारमण जी, हमने पहले दिन कुछ तकनीकी गड़बड़ियों को देखा है, और उन्हें

ठीक करने के लिए काम कर रहे हैं। इंफोसिस को इन शुरुआती गड़बड़ियों पर पछतावा है। उम्मीद है कि सिस्टम सप्ताह के अंदर सामान्य हो जाएगा।

वेबसाइट में शुरुआती दिक्कतों पर वित्त मंत्री ने लगाई थी क्लास

दरअसल, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने सोमवार रात नए पोर्टल को लॉन्च किया गया, जिसमें कहा गया कि इसे पहले से बेहतर बनाया गया है। इससे टैक्?सपेयर्स को ई-फाइलिंग में आसानी होगी। लेकिन शुरुआती कुछ ही घंटों में इसमें गड़बड़ियों की शिकायतें आने लगी। इस पर वित्त मंत्री ने वेबसाइट बनाने वाली कंपनि ढ्ढञ्ज कंपनी इंफोसिस और उसकेको-फाउंडर नंदन नीलकेणि के टैग करते हुए शिकायत की। उन्होंने कहा कि विभाग का ई-फाइलिंग पोर्टल 2.0 का लंबे समय से इंतजार था। इसे सोमवार रात 08.45 बजे लॉन्च किया गया। इसे लेकर कई लोग शिकायत कर रहे हैं। वे साइट को ओपन नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने नंदन नीलेकणि के टैग करते हुए लिखा कि टैक्स पेयर्स को सर्विस की क्वालिटी में कमी न होने दें।

म्यूचुअल फंड

फंड ऑफ फंड्स में निवेश करके आप भी कमा सकते हैं ज्यादा फायदा

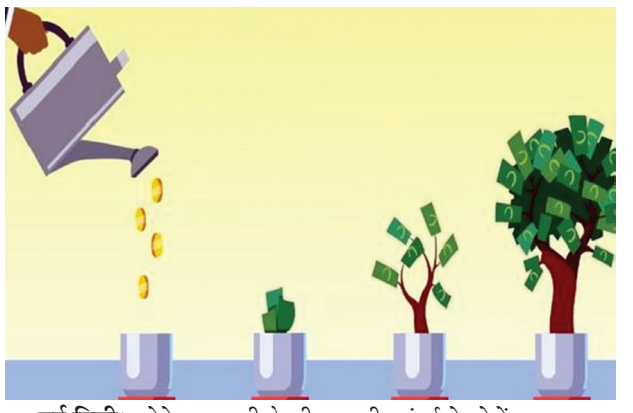

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के बीच बढ़ती महंगाई ने लोगों का बुरा हाल कर दिया है। ऐसे में अगर आप पैसा लगाने के लिए ऐसी स्कीम की तलाश में हैं यहां से आपको अच्छा रिटर्न मिले ताकि आप महंगाई को मात दे सकें तो म्यूचुअल फंड की फंड ऑफ फंड्स कैटेगिरी में निवेश कर सकते हैं। आज हम आपको म्यूचुअल फंड की इस कैटेगरी के बारे में बता रहे हैं।

सबसे पहले समझें फंड ऑफ फंड्स क्या हैं?

फंड ऑफ फंड्स म्यूचुअल फंड की ऐसी स्कीमें है जो दूसरी म्यूचुअल फंड स्कीमों में निवेश करती हैं। लेकिन यह इंडेक्स फंड्स और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) तक सीमित नहीं है। कई योजनाओं में निवेश करने से, फंड ऑफ फंड एक निवेशक को कई बाजार क्षेत्रों या रणनीतियों के लिए एक ब्रोड एक्सपोजर दे सकता है और इससे बेहतर रिटर्न मिलने की भी संभावना रहती है। उदाहरण के लिए अगर फंड मैनेजर सोने में निवेश करना चाहता है तो वह सोने में निवेश करने वाली गोल्ड स्कीम में पैसा लगाएगा, फंड मैनेजर जिस भी स्कीम में पैसा लगाना चाहे लगा सकता है। इसका मतलब यह है कि फंड ऑफ फंड्स म्यूचुअल फंड की ऐसी स्कीमें है जो दूसरी स्कीमों में निवेश करती हैं। वह किसी एक स्कीम में पैसा लगाने के लिए बाध्य नहीं होती हैं।

कम निवेश के साथ पोर्टफोलियो को कर सकते हैं डायवर्सिफाई

इसमें निवेश का सबसे बड़ा फायदा छोटे निवेशकों को है जो धन की कमी के कारण निवेश के अलग-अलग विकल्पों में निवेश नहीं कर पाते हैं। वे इस स्कीम के जरिये अपने पोर्टफोलियो को कम राशि में डायवर्सिफाई कर सकते हैं। निवेश पर अधिक लाभ कमाने की संभावना बढ़ जाती है।

कई तरह के होते हैं फंड ऑफ फंड्स?

फंड ऑफ फंड्स तीन तरह के हो सकते हैं। एक जो इक्विटी में निवेश करते हैं। दूसरे जो डेट फंड में पैसा लगाते हैं। तीसरे वे जिनका निवेश अंतरराष्ट्रीय बाजारों में होता है। ये तीन प्रकार तकरीबन सभी एसेट क्लास को कवर कर लेते हैं।

इसमें किसे निवेश करना चाहिए?

वो लोग जो म्यूचुअल फंड में कम पैसा निवेश करने के साथ अपने पोर्टफोलियो को डायवर्सफाई करना चाहते हैं उनका इसमें निवेश करना सही रहेगा। इसके अलावा ये उन लोगों के लिए भी सही है जिन्हें म्यूचुअल फंड के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

कोविड का सकारात्मक असर

सब्सक्रिप्शन मॉडल को सहूलियत और आर्थिक अनिश्चितता दे रही बढ़ावा

प्रॉडक्ट की ओनरशिप के बजाय सर्विस लेने में बढ़ी ग्राहकों की दिलचस्पी

नई दिल्ली। कोरोना काल में दुनियाभर की अर्थव्यवस्था तो सुस्त रही, लेकिन सब्सक्रिप्शन बेस्ड मॉडल चल पड़े। दरअसल, कोविड पर काबू पाने के लिए दुनियाभर में अलग-अलग पैमाने पर लॉकडाउन किए गए। इसके चलते आर्थिक गतिविधियां घटीं और आर्थिक अनिश्चितता बढ़ी। इससे कंपनियां और ग्राहक, दोनों का जोर सब्सक्रिप्शन मॉडल अपनाने पर बढ़ा।

18% की चक्रवृद्धि दर से बढ़ रही सब्सक्रिप्शन इकोनॉमी: ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म यूबीएस के मुताबिक, 2020 से सब्सक्रिप्शन इकोनॉमी 18त्न की चक्रवृद्धि दर से बढ़ रही है। 2025 तक इसका साइज 1.5 लाख करोड़ डॉलर (109.42 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच सकता है। जानकारों के मुताबिक, कंपनियों और ग्राहकों, दोनों का झुकाव सब्सक्रिप्शन मॉडल की तरफ बढ़ने की वजह उनकी पसंद और उम्मीदों में हो रहे बदलाव हैं।

ओनरशिप के बजाय सर्विस लेने में बढ़ रही ग्राहकों की दिलचस्पी: ग्राहकों की दिलचस्पी अब प्रॉडक्ट की ओनरशिप के बजाय उनकी सर्विस लेने में बढ़ने लगी है। यह कंपनियों के लिए भी फायदेमंद है क्योंकि उनको नियमित रूप से कमाई होती है। साल की शुरुआत में Zuora की तरफ से जारी सब्सक्रिप्शन इकोनॉमी इंडेक्स के मुताबिक, मार्च तक पिछले नौ साल में ग्लोबल सब्सक्रिप्शन इकोनॉमी में लगभग चार गुना से ज्यादा की ग्रोथ हुई है। जहां तक सब्सक्रिप्शन बेस्ड इकोनॉमी की फ्यूचर ग्रोथ की बात है, तो गार्टनर ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा है कि दुनियाभर में सीधे कस्टमर्स को सर्विस दे रहीं कंपनियों में से सब्सक्रिप्शन सर्विस ऑफर करने वाली कंपनियों का प्रतिशत 2023 में 75 पर्सेंट तक पहुंच जाएगा।

IPO में निवेश का मौका

श्याम मेटालिक्स का पब्लिक इश्यू 14 जून से खुलेगा

मुंबई। निवेशकों के लिए प्राइमरी मार्केट में निवेश का मौका है। अगले हफ्ते 14 जून को श्याम मेटालिक्स का IPO खुलने जा रहा है। यह 16 जून को बंद हो जाएगा। कंपनी ने प्रति शेयर 303-306 रुपए प्राइस बैंड तय किया है। कंपनी की योजना 909 करोड़ रुपए जुटाने की है एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक श्याम मेटालिक्स की योजना 909 करोड़ रुपए जुटाने की है।

पहले 1,107 करोड़ रुपए जुटाने की योजना थी। लेकिन ऑफर फॉर सेल को 450 करोड़ रुपए से घटाकर 252 करोड़ रुपए कर दिया गया है। साथ ही पब्लिक ऑफरिंग में 657 करोड़ रुपए के फ्रेश शेयर जारी होंगे। कंपनी IPO से पहले एंकर निवेशकों से 11 जून को फंड जुटाएगी।

निवेशक OFS के जरिए हिस्सेदारी घटाएंगे: OFS में शुभम कैपिटल, शुभम बिल्डवेल, कलपतरू हाउस फिन एंड ट्रेडिंग, डोराइट ट्रैकॉन सहित अन्य निवेशक अपनी हिस्सेदारी घटाएंगे। कंपनी ने जारी बयान में कहा कि वह IPO से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल कर्ज भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा। श्याम मेटालिक्स ने इसी साल फरवरी में मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास DRHP फाइल किया था, जिसे 11 मई को मंजूरी मिली थी।

एक दिन बाद फिर बढ़े फ्यूल प्राइसेज

तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतें 25-25 पैसे बढ़ाई, एक लीटर डीजल की कीमत भी 100 रुपए के करीब

मुंबई। महामारी के इस बुरे दौर में आम लोगों की जेब पर मंहगाई की मार जारी है। सरकारी तेल कंपनियों ने बुधवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतें 25-25 पैसे बढ़ा दी हैं। इससे पहले मंगलवार को कीमतें स्थिर रहीं थी। आज राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 95.56 रुपए प्रति लीटर और डीजल 86.47 रुपए लीटर पर बिक रहा है। सरकारी तेल कंपनियों 4 मई से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी करना शुरू किया और केवल 22 दिनों में ही पेट्रोल 5.24 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया। इससे पहले डीजल तो 20 दिनों में ही 5.17 रुपये प्रति लीटर महंगा हो चुका है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत में टैक्स का गणित

	पेट्रोल/लीटर	डीजल/लीटर
बेस प्राइज	35.63	38.16
किराया	0.36	0.33
केंद्र का टैक्स	32.90	31.80
डीलर कमीशन	3.79	2.59
राज्य का वैट	21.81	12.50
कुल कीमत	94.49	85.38

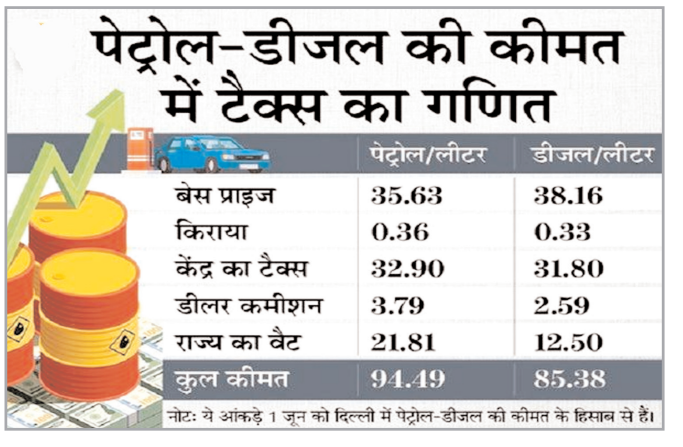

नोटः ये आंकड़े 1 जून को दिल्ली में पेट्रोल-डीजल की कीमत के हिसाब से हैं।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में डीजल की कीमतें 100 रुपए के करीब: कीमतों में बढ़ोतरी से देश के कई हिस्सों में पेट्रोल के बाद डीजल भी 100 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में 9 जून को एक लीटर डीजल की कीमत 99.51 रुपए हो गई है। इसी तरह हनुमानगढ़, जैसलमेर सहित मध्य प्रदेश के रीवा और अनूपपुर में भी कीमतें 100 रुपए के करीब पहुंच गई है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)